News सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-222
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

# सिटी चीफ

**सुविचार**

सपने देखना तो बस शुरुआत है, सपने को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की जरूरत होती है

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
इंदौर, रविवार 17 नवम्बर 2024
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

## 500 करोड़ की बाजी में जेक पॉल ने दिग्गज बॉक्सर माइक टायसन को हराया

**नई दिल्ली।** दुनिया के दिग्गज बॉक्सर में से एक रहे माइक टायसन को 27 साल के जेक पॉल के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। माइक टायसन ने 19 साल बाद बॉक्सिंग के रिंग में वापसी की थी। जेक के खिलाफ फाइट में 58 साल के हो चुके माइक टायसन पर उम्र का असर साफ दिख रहा था, लेकिन इसके बावजूद इस दिग्गज ने जेक पॉल की शुरुआती राउंड में हालत खराब कर दी थी। हालांकि, अंत में जज के निर्णायक फैसले से जेक पॉल को 80-72, 79-73, 79-73 से विजेता घोषित किया गया। बता दें कि जेक पॉल का पूरे मैच में दबदबा रहा था। जेस पॉल ने माइक टायसन को कई जबरदस्त पंच लगाए। हालांकि, शुरू के राउंड में माइक टायसन ने अपनी पकड़ बना ली थी, लेकिन जेक पॉल ने चालाकी दिखाते हुए माइक टायसन को पहले छकने दिया। इसके बाद उन्होंने अपने खेल को तेज किया और आखिरी में वे माइक टायसन को हराने में सफल रहे। बता दें कि माइक टायसन और जेक पॉल के बीच हुई फाइट में 500 करोड़ से ज्यादा का इनाम था। रिपोर्ट के मुताबिक माइक टायसन को हराने वाले जेक पॉल को इनाम के तौर पर 40 मिलियन अमेरिकी डॉलर का पेआउट मिलेगा। यह करंसी में करीब 337 करोड़ रुपए। इसके अलावा जेक पॉल से हारने वाले माइक टायसन को 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर का पेआउट मिलेगा। इस तरह माइक टायसन को फाइट हारने के बाद भी करीब 167 करोड़ रुपए मिलेंगे।

## अपनी ही शोकसभा में जिंदा पहुंच गया शख्स, हो चुका था अंतिम संस्कार

**मेहसाणा।** गुजरात से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है जहां एक शख्स अपनी ही शोकसभा में जिंदा पहुंच गया। घटना मेहसाणा जिले की है जहां 43 साल के शख्स ब्रिजेश सुथार को मृत समझकर अंतिम संस्कार कर दिया गया। लेकिन उसके परिवार वाले उस वक्त हैरान रह गए जब वह अपनी ही शोकसभा में जिंदा पहुंच गया। जानकारी के मुताबिक बृजेश कुछ दिनों से मेंटल हेल्थ की समस्या और वित्तीय तनाव से जूझ रहा था। इस बीच 27 अक्टूबर को वह अहमदाबाद के नरोदा स्थित अपने आवास से गायब हो गए। इससे उनका परिवार परेशान हो गया। उनके परिवार ने उन्हें बहुत ढूंढा लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद परिवारवालों ने उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई। इसके बाद 10 नवंबर को पुलिस को साबरमति ब्रिद के पास एक शव मिला। पुलिस ने बृजेश के परिवारवालों को शव की पहचान के लिए बुलाया। शरीर की बनावट के आधार पर ब्रिजेश के साले और अन्य रिश्तेदारों ने गलती से शव की पहचान बृजेश के रूप में कर दी। इसके बाद उन्होंने शव का अंतिम संस्कार किया और 14 नवंबर को शोक सभा रखी। जैसे ही रिश्तेदार और दोस्त शोक सभा पहुंचे, बृजेश भी जिंदा अपनी शोक सभा में आ गए जिससे हर कोई हैरान रह गया। बृजेश की मां ने बताया कि जब बृजेश घर नहीं लौटा तो हमने उसे हर जगह ढूंढा और फिर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। बाद में पुलिस ने हमें एक शव दिखाया जिसे गलती से हमने बृजेश समझ लिया।

## छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़ में 5 नक्सली ढेर, दो जवान हुए घायल

**जगदलपुर।** छत्तीसगढ़ के कांकेर और नारायणपुर की सरहद से लगी महाराष्ट्र बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने 5 नक्सलियों को मार गिराया है। इनमें 2 महिला और 3 पुरूष हैं। सभी के शव और ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद हुए हैं। कई नक्सलियों के घायल होने की भी खबर है। वहीं दो जवान भी घायल हुए हैं, जिन्हें रायपुर एयरलिफ्ट किया गया है। डॉक्टर के मुताबिक, एक जवान की जांघ से गोली आर-पार हो गई है। वहीं दूसरे के सिर पर चोट लगी है। फिलहाल दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है। कांकेर एसपी आईके एलिसेला ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। बस्तर के लगभग सभी जिलों के डीआरजी जवान और महाराष्ट्र के सी-60 कमांडोज ने नक्सल संगठन के सेंट्रल कमेटी मेंबर अभय को घेरने के लिए बड़ा ऑपरेशन लॉन्च किया है। नारायणपुर और कांकेर से लगे उत्तरी अबूझमाड़ में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी, एसटीएफ और बीएसएफ की संयुक्त टीम को रवाना किया गया था। सुबह 8 बजे से यह मुठभेड़ शुरू हुई थी। कई घंटे रुक-रुककर फायरिंग हुई। वहीं नक्सली इस इलाके से महाराष्ट्र की ओर भाग न जाएं इसके लिए कांकेर जिले से लगे गढ़चिरौली इलाके में सी-60 कमांडो को तैनात किया गया था।

### झांसी कांड सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आग लगने से 10 नवजातों की मौत, तीन की अभी तक शिनाख्त नहीं, 8 बच्चों का पता नहीं चला

# 'मरा हुआ सिस्टम'... और अस्पताल 'श्मशान'

**झांसी।** उत्तरप्रदेश के झांसी जिले में शुक्रवार रात महारानी लक्ष्मीबाई सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आग लगने से 10 नवजात बच्चों की मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम के बाद रविवार को 7 नवजात बच्चों के शव परिजन को सौंप दिए गए। 3 बच्चों की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है। एक बच्चे की हालत गंभीर है। अभी तक 8 बच्चों की सूचना नहीं मिल पाई है। यानी वे लापता हैं। वार्ड की खिड़की तोड़कर 39 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बच्चों को बचाने वाले युवक ने कहा- आग लगी तो डॉक्टर भागने लगे। मैंने 4-5 बच्चों को बचाया। अब मीडिया में बयान देने पर अस्पताल प्रशासन से धमकी मिल रही है। कहा जा रहा है कि तुम ऐसे कैसे बयान दे रहे हो। दरअसल इस शख्स ने दावा किया कि जब आग लगी तब वह घटनास्थल पर मौजूद था। हमीरपुर के रहने वाले गोविंद दास अपने पोते का इलाज कराने अस्पताल आए थे। गोविंद दास ने आग लगने के पीछे की एक बड़ी वजह का दावा किया है, जिसने हर किसी को हैरत में डाल दिया है। गोविंददास के अनुसार, वॉर्ड के अंदर एक महिला पाइप को फिट कर रही थी। इस दौरान महिला ने पाइप को फिट करने के लिए एक माचिस की तीली जलाई, तभी अचानक पूरे वॉर्ड में आग फैल गई। गोविंददास ने ये भी बताया कि उन्होंने खुद 4-5 बच्चों को इस भीषण आग से बचाया। गोविंद दस इस बात से संतुष्ट हैं कि उन्होंने इन बच्चों के साथ-साथ अपने पोते को भी बचा लिया।

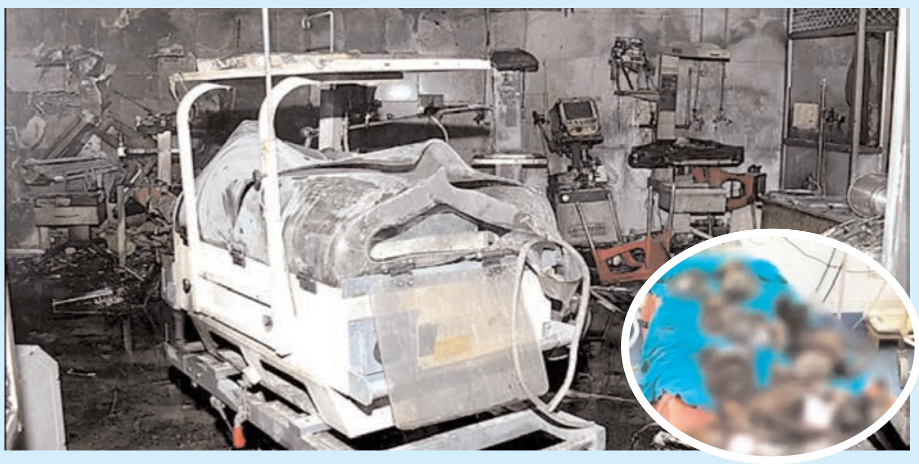

### बेहद गंभीर लापरवाही

झांसी की घटना में अब तक जो लापरवाही सामने आ रही है, वो बेहद गंभीर है। जब आग वॉर्ड में फैल रही थी, तब वॉर्ड ब्वॉय ने अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटि्वंगशर) चलाया, लेकिन वो काम नहीं कर रहा था, क्योंकि उसे एक्सपायर हुए चार साल बीत चुके थे। भारत सरकार की स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) पर अगर ध्यान दें तो उसमें स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं। एसओपी के अनुसार अग्निशमन यंत्र का मासिक आधार पर निरीक्षण किया जाना चाहिए। सालाना निरीक्षण किसी पेशेवर द्वारा कराया जाना चाहिए। अग्निशमन यंत्रों के चयन, स्थापना, रख-रखाव के लिए भारतीय मानक 2190 का पालन करना आवश्यक है, क्योंकि प्रत्येक अग्निशमन यंत्र को आग के प्रकार के आधार पर चिन्हित किया जाता है।

### तो खुल जाएगी देश के सभी अस्पतालों की पोल

स्पष्ट है कि भारत सरकार के बने दिशा-निर्देशों का पालन झांसी के अस्पताल में नहीं हो रहा था। यदि केंद्र सरकार देशभर में अस्पतालों में फायर ऑडिट कराए तो उत्तरप्रदेश ही नहीं, अन्य राज्यों के अस्पतालों भी की पोल खुल जाएगी। भले वो सरकारी हों या निजी अस्पताल। अग्निशमन यंत्रों के साथ बिजली उपकरणों का ऑडिट भी आवश्यक है, क्योंकि आग लगने की घटना के पीछे सबसे बड़ा कारण शॉर्ट सर्किट ही निकाल कर आता है। झांसी के केस में भी ऑक्सीजन कंसंट्रेटर में स्पार्किंग हुई और फिर धमाके से आग फैली।

### लापता बच्चा मिलेगा या नहीं...पता नहीं

कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जो मेडिकल कॉलेज प्रशासन की लापरवाही की ओर इशारा करती हैं। इसमें दिख रहा है कि मेडिकल कॉलेज में मौजूद फायर एक्सटिंग्विशर (आग बुझाने वाला सिलेंडर) एक्सपायर हो चुके थे। ये 2020 और 2023 में ही एक्सपायर हो गए और अस्पताल की ओर से इसे रिफिल भी नहीं कराया गया था। वहीं, 10 नवजातों की मौत से पीड़ित परिवार बेहाल हैं। डीएनए टेस्ट कराए जाने की मांग की जा रही है। उनका आरोप है कि जब आग लगी थी तो स्टाफ को बच्चों को निकालना चाहिए था। अपने शिशु को तलाशते पिता कुलदीप ने बताया कि मैंने खुद आग लगने के बाद चार से पांच बच्चों को बचाया है। हालांकि, मेरा खुद का बच्चा नहीं मिल रहा। मेरी मां और पत्नी का शुक्रवार रात से ही रो-रोकर बुरा हाल है। मेरा पूरा परिवार हादसे के बाद से काफी परेशान है और अभी तक किसी ने यह भी नहीं बताया है कि बच्चा मिलेगा या नहीं।

### बच्चा मिल नहीं रहा...अस्पताल में जाने नहीं दिया जा रहा

एक महिला माया ने कहा कि अस्पताल में आग लगने के बाद से हमारे बच्चे का भी कुछ पता नहीं चल पाया है। इस घटना के बाद से अस्पताल में जाने नहीं दिया जा रहा है। मेरी बेटी का बच्चा अस्पताल में भर्ती था और उसे मशीन में रखा गया था। आग लगने की घटना की जानकारी उस समय पता चली, जब लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद लोगों ने खिड़की तोड़कर बच्चों को बाहर निकाला, हमारे बच्चे का अभी तक पता नहीं चल पाया है। एक अन्य महिला ने भी कहा कि हादसे के बाद से अस्पताल के अंदर जाने नहीं दिया गया है।

## राहुल बोले- जो बाइडेन की तरह पीएम मोदी को हो गई है भूलने की बीमारी

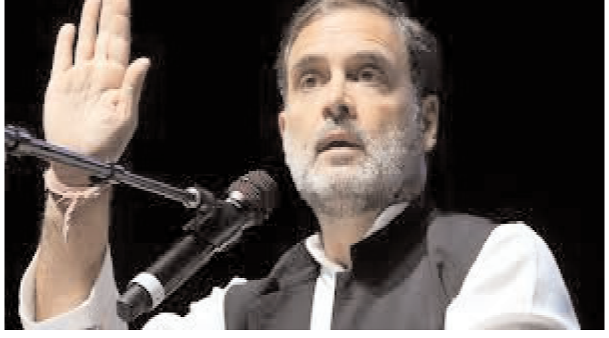

**अमरावती।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। राहुल ने आरोप लगाया कि मेरी बहन ने मुझे बताया कि इन दिनों प्रधानमंत्री मोदी उसी मुद्दे पर बोल रहे हैं जिसे मैं उठाता रहा हूं। मैंने उनसे लोकसभा में कहा था कि जाति जनगणना होनी चाहिए और आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाई जानी चाहिए। अब वे अपनी चुनावी रैलियों में कह रहे हैं कि मैं आरक्षण के खिलाफ हूं। वे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति की तरह याददाश्त चले जाने की समस्या से ग्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अब कहेंगे कि राहुल गांधी जाति जनगणना के खिलाफ हैं। राहुल ने कहा कि मेरी बहन मुझे बता रही थी कि उसने मोदी जी का भाषण सुना और उस भाषण में हम जो भी कहते हैं, मोदी जी आजकल वही बात कह रहे हैं। मुझे नहीं पता, शायद उनकी याददाश्त चली गई है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन भूल जाते थे। उन्हें पीछे से याद दिलाना पड़ता था। यूक्रेन के राष्ट्रपति आए और अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन आए हैं। उनकी याददाश्त चली गई थी। ठीक वैसे ही हमारे प्रधानमंत्री की याददाश्त चली गई है...।

राहुल गांधी ने कहा कि मोदी और बीजेपी के लोग बंद कमरों में संविधान की हत्या करते हैं। जब अडानी, अमित शाह और बीजेपी के लोग महाराष्ट्र सरकार को चुराने के लिए बैठक में बैठे थे, तो क्या वे संविधान की रक्षा कर रहे थे आज पूरा महाराष्ट्र जानता है कि धारावी की वजह से वह सरकार चुराई गई थी। क्योंकि बीजेपी-नरेंद्र मोदी धारावी की जमीन अपने दोस्त अडानी को देना चाहते थे। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि विरोधी लोगों ने मेरी छवि खराब करने और मुझे बदनाम करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए हैं जबकि मैं दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए खड़ा हूं। राहुल गांधी ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और नोटबंदी किसानों और छोटे व्यवसायों को खत्म करने के हथियार हैं। महाराष्ट्र के अमरावती में एक रैली में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पार्टी संविधान को देश का डीएनए मानती है, जबकि सत्तारूढ़ भाजपा और आरएसएस के लिए यह एक कोरी किताब है। उन्होंने कहा कि संविधान में कहीं भी यह नहीं लिखा है कि विधायकों की खरीद-फरोख्त कर सरकारें गिराई जा सकती हैं जैसा कि महाराष्ट्र में किया गया। उन्होंने कहा कि इसमें यह भी नहीं लिखा है कि बड़े उद्योगपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया जा सकता है।

## महाकाल को अमेरिकी डॉलर की माला अर्पित कर लापता हुआ भक्त

**उज्जैन।** उज्जैन को महाकाल की नगरी के नाम से भी जाना जाता है। हर दिन यहां बड़ी संख्या में भक्त बाबा महाकाल के दर्शन करने आते हैं। महाकालेश्वर मंदिर में देश-विदेश से आने वाले भक्त बड़ी संख्या में दान भी करते हैं। शनिवार को पहली बार किसी भक्त ने बाबा महाकाल को भस्म आरती में अमेरिकन डॉलर से बनाई नोटों की माला भेंट की है। अमेरिक नोटों की माला देखकर मंदिर प्रशासन भी सकते में रह गया। बताया जा रहा है कि इस माला में करीब 200 अमेरिकी डॉलर हैं। शनिवार को बाबा महाकाल की भस्म आरती के दौरान एक भक्त ने गुप्त दान करते हुए अमेरिकी डॉलर की माला भगवान शंकर को भेंट की। यह करीब तीन फीट की माला है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, अमेरिकी डॉलर के 200 से ज्यादा नोट लगे हैं। इस माला के बीच में 'जय श्री महाकाल' लिखा हुआ है। जिसने भी यह माला देखी वह कोई हैरान रह गया। हालांकि यह दान किसने किया है इसका खुलासा नहीं हो सका। भस्म आरती के बाद बाबा महाकाल को अमेरिकी डॉलर की यह माल चढ़ाई गई। मंदिर प्रशासन के अनुसार, यह माला दान पेटी में रखी थी। दान करने वाले ने अपना नाम नहीं बताया और दान देकर मंदिर परिसर से चला गया। महाकाल मंदिर प्रशासक गणेश धाकड़ ने बताया कि माला किसने दी, यह नहीं पता चल पाया है। भस्म आरती के दौरान एक भक्त ने माला अर्पित की और आग्रह किया कि यह माला भगवान को पहनाई जाए। माला भगवान को अर्पित करने के बाद दान पेटी में डाल दी गई है। जानकारी के अनुसार, भारतीय करेंसी के अनुसार, माला में लगे डॉलरों की कीमत करीब 2 लाख रुपए तक हो सकती है। इस घटना को हाल ही में अमेरिका में हुए राष्ट्रपति चुनाव से भी जोड़ा जा रहा है। इन चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप को जीत मिली है। कुछ लोगों का कहना है कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत होने के बाद बाबा महाकाल की नगरी में आए एक भक्त ने बाबा महाकालेश्वर को करीब 200 अमेरिकी डॉलर की माला भेंट की है।

## किसान को तीन माह में दूसरी बार मिला बेशकीमती जेम क्वालिटी का हीरा

**पन्ना।** मध्यप्रदेश के पन्ना जिले के एक किसान को उसके खेत में 3 महीने में दूसरी बार बेशकीमती हीरा मिला है। किसान के घर में जश्न का माहौल है। किसान के इन दोनों ही हीरों को आगामी 4 दिसंबर से होने वाली नीलामी में बिक्री के लिए रखा जाएगा। पन्ना जिले में किसान दिलीप मिस्त्री को 7.44 कैरट वजन वाला जेम क्वालिटी का कीमती हीरा मिला है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार हीरा कार्यालय के हीरा पारखी अनुपम सिंह ने बताया कि किसान दिलीप मिस्त्री ने विगत 10 माह पूर्व अपनी निजी कृषि भूमि में हीरा खदान का पट्टा बनवाया था। उसकी इसी खदान से यह बेशकीमती हीरा निकला है, जो जेम क्वालिटी का है। उन्होंने बताया कि हीरा धारक किसान दिलीप मिस्त्री ने जिला मुख्यालय में संयुक्त कलेक्ट्रेट स्थित हीरा कार्यालय में इस हीरे को जमा करा दिया है। हीरा मिलने के बाद से किस्मत का धनी किसान दिलीप मिस्त्री खुश है। उसके घर में जश्न का माहौल है। दिलीप मिस्त्री ने बताया कि नीलामी में हीरे की बिक्री होने के बाद उसे जो भी पैसा मिलेगा उसका उपयोग खेती के सुधार और घर बनवाने में करेगा। जेम क्वालिटी वाले इस हीरे की अनुमानित कीमत लाखों में बताई जा रही है। इसी किसान को तीन माह पहले खेत की ही खदान में 16.10 कैरेट वजन का कीमती हीरा मिला था। किसान के इन दोनों ही हीरों को आगामी 4 दिसंबर से होने वाली नीलामी में बिक्री के लिए रखा जाएगा।

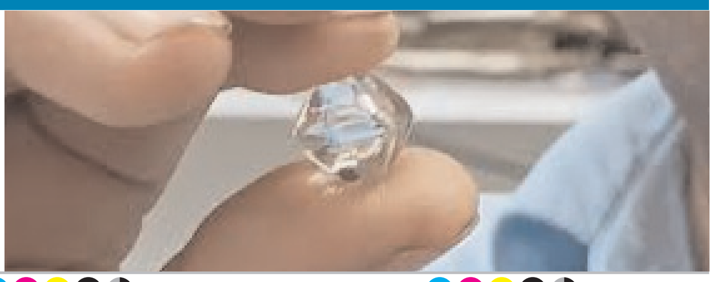

# महाराष्ट्र चुनाव के लिए जा रही सवा करोड़ की शराब पकड़ाई, पेटियां गिनती रही पुलिस

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर। इंदौर में सीमेंट का एक टैंकर पकड़ा गया जिसमें सवा करोड़ रुपए की शराब थी। पुलिस को टैंकर में से 980 पेटी शराब जब्त हुई है। ड्राइवर ने बताया कि यह शराब महाराष्ट्र ले जाना थी। पुलिस को शक है कि महाराष्ट्र में चुनाव के चलते इसे भेजा जा रहा था। इंदौर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की सीमेंट का पीले रंग का टैंकर सांवेर थाना क्षेत्र के जामली गांव से गुजरेगा। इसमें शराब भरी हुई है। थानेदार कमल उईके के नेतृत्व में चैकिंग पाइंट लगाया गया और दोपहर में जैसे ही टैंकर गुजरा, पुलिस ने उसे रोका तो ड्रायवर कूदकर भागने लगा। चैकिंग टीम ने पीछा कर ड्राइवर को दबोच लिया। कमल उईके ने बताया कि ड्राइवर का नाम कोहलाराम उर्फ कमलेश मंगाराम जाट, निवासी भटाला आरजीटी नगर वायगुणा सिंधरी (राजस्थान) है।

**अंबाला में मिली भरी हुई गाड़ी**
मुलजिम का कहना है कि उसे राजस्थान के सलासर से खाली गाड़ी दी और अंबाला में शराब माल भरने का कहा। अंबाला में खाली गाड़ी कोई और ले गया और भरी हुई गाड़ी उसे दे दी। उससे कहा कि यह गाड़ी उसे दिल्ली, मथुरा, घोलपुर, ग्वालियर, दतिया और देवास होते हुए धुलिया (महाराष्ट्र) ले जानी है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि चुनाव में बांटने के लिए शराब ले जाई जा रही थी। टैंकर को जब्त कर ड्रायवर को गिरफ्तार कर थाने ले जाया गया। इसके बाद गाड़ी से शराब उतारनी थी। मजदूरों को ढूंढा गया। बताते हैं कि रात तक शराब की गिनती चली। 980 पेटी शराब जब्त हुई है, जिसकी कीमत सवा करोड़ रुपए बताई गई है। ड्रायवर के मोबाइल की कॉल डिटेल निकाली जा रही है। उसने एक नाम पुलिस को बताया है, जिसने शराब दिलवाई थी। उसका कहना है कि उसे महाराष्ट्र के एक व्यक्ति का मोबाइल नंबर दिया गया था। महाराष्ट्र पहुंचकर उसको फोन लगाना था।

**5 लाख 65 हजार की मदिरा जप्त**
सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे ने बताया कि आबकारी अमले द्वारा महू के विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देकर बड़ी मात्रा में हाथभट्टी मदिरा जप्त की गई। उन्होंने बताया कि आज महू एवं देपालपुर के आबकारी अमले द्वारा महू के दतोदा, पड़ाव, जोशीगुराड़िया, सिमरोल आदि क्षेत्रों में दबिश देकर प्लास्टिक के ड्रमों में भरकर छिपा कर रखी हाथभट्टी मदिरा एवं महुआ लहान जिसमें 42 लीटर हाथभट्टी मदिरा जप्त की गई। आबकारी अमले ने 5500 किलो ग्राम महुआ लहान बरामद कर मौके पर नष्ट भी कराया। म.प्र आबकारी अधिनियम की धारा 34((1) क एवं 34(एफ) के तहत 13 प्रकरण कायम किए गए। जप्त मदिरा व सामग्री का अनुमानित मूल्य 5 लाख 65 हजार रुपए है।

**क्राइम ब्रांच की कार्रवाई: 6 राज्यों की पुलिस को थी जिसकी तलाश वह इंदौर में धराया**

# डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने वाला अब 'अरेस्ट'

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए कड़े दिशा निर्देश देने के बाद अब पुलिस भी इस मामले में कड़ी कार्रवाई कर रही है। इंदौर क्राइम ब्रांच थाना पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के माध्यम से ऑनलाइन ठगी की वारदात करने वाली गैंग के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के.कृष्ण कुमार साइबराबाद (तेलंगाना) का रहने वाला है। इस आरोपी को 6 राज्यों की पुलिस तलाश कर रही थी कुछ दिन पूर्व आरोपी ने सॉफ्टवेयर डेवलपर महिला को डिजिटल अरेस्ट कर उसके साथ 12 लाख की ऑनलाइन ठगी की वारदात को इस गैंग के द्वारा अंजाम दिया गया था। इसमें पुलिस ने 111 बैंक खातों को फ्रिज करते हुए फरियादी के 6 लाख रुपए भी रिफंड कराए हैं। इस पूरे मामले में क्राइम ब्रांच ने अभी तक दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। क्राइम ब्रांच इंदौर ने पूर्व में एक आरोपी आनंद कुमार निवासी झालावाड़ (राजस्थान) को गिरफ्तार किया था। गैंग के सदस्य कॉल पर खुद को पुलिस अधिकारी बताकर मनी लांड्रिंग के केस में फसाने का झूठ बोलकर ऑनलाइन पैसे प्राप्त करते थे और वारदात को अंजाम देते थे, यह गैंग लोगों को पुलिस अधिकारी बताकर ठगने के प्रयास करने के लिए कई लोगों को रोजाना कॉल करती थी। आरोपी गैंग ने कर्नाटक, दिल्ली, महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्यप्रदेश के कई लोगों के साथ ऑनलाइन ठगी की है।

**इस तरह ठगा था सॉफ्टवेयर डेवलपर महिला को**
इंदौर क्राइम ब्रांच की साइबर हेल्पलाइन में सॉफ्टवेयर डेवलपर इंदौर निवासी फरियादी ने ऑनलाइन ठगी की शिकायत की थी। इसमें उन्होंने बताया था कि 25 मई 2024 को अंजान मोबाइल नंबर से कॉल करने वाले ने बताया कि मैं फेडएक्स इंटरनेशनल कूरियर अंधेरी ईस्ट मुंबई से राजेश वर्मा बात कर रहा हूं। आपके नाम से एक पार्सल मुंबई से ताईवान भेजने के लिए बुक किया है, यह कस्टम पर रिजेक्ट हो गया। जवाब में फरियादी ने बताया कि उसने कोई पार्सल भेजा ही नहीं है। इस पर कहा गया कि आप अपने पार्सल का डिटेल नोट कर लो। पार्सल में 5 पासपोर्ट, 3 बैंक क्रेडिट कार्ड, 5 किलो कपड़े, 200 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स और 1 लैपटॉप है। इसे 20 मई 2024 को भेजा गया है। 22 मई 2024 को कस्टम्स से रिजेक्ट हो गया है। पार्सल आपके आधार कार्ड से भेजा गया है, फिर फरियादी ने आधार कार्ड नंबर पूछा तो आरोपी ने एक नंबर बताया और कहा कि ये मोबाइल नंबर से लिंक है। महिला घबरा गई और आरोपी ने कहा कि आपने नहीं भेजा है तो किसी ने आपके आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल किया है। आप इसकी शिकायत अंधेरी मुंबई से साइबर क्राइम डिपार्टमेंट में करें। आरोपी ने बाद में कहा कि आपकी कॉल अंधेरी मुंबई की साइबर क्राइम डिपार्टमेंट में कनेक्ट कर दी गई। किसी ने पुलिस इंस्पेक्टर बनकर बात की। कहा कि 4 घंटे में मुंबई आ जाओ, नहीं तो ड्रग्स ट्रैफिकिंग का केस लगा देंगे। बाद में आरोपी ने फरियादी के बैंक अकाउंट की डिटेल ली। खाते में 12 लाख 35 हजार रुपए है ये पता चलने पर रुपए चेक करने के लिए आरटीजीएस करवाए। कहा कि चेक किया जाएगा कि कमीशन तो नहीं लिया है।

**किसी को कुछ भी बताने से मना किया**
आरोपियों ने रुपए ट्रांसफर होते ही किसी को कुछ भी बताने से मना किया। डर की वजह से 2 दिन बाद फरियादी ने पिता को घटना बताई। इसके बाद वह क्राइम ब्रांच को शिकायत करने पहुंचीं। क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज कर राजस्थान के झालावाड़ निवासी आनंद कुमार को गिरफ्तार किया था। इसके बाद तेलंगाना के सायबराबाद से आरोपी के. कृष्ण कुमार को गिरफ्तार किया है। पूछताछ और तकनीकी जानकारी निकालने पर सामने आया है कि गैंग ने कर्नाटक, दिल्ली, महाराष्ट्र, तेलंगाना के अलावा मध्यप्रदेश के कई लोगों से ऑनलाइन ठगी की है।

# पोस्टमार्टम के लिए डॉक्टर ने मांगे 50 हजार रुपए, लोकायुक्त ने पकड़ा

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर। पोस्टमार्टम के नाम पर रिश्वत लेने वाले डॉक्टर को लोकायुक्त पुलिस ने पकड़ा है। कल्लीपुरा (झाबुआ) के दिनेश मकवाना ने इंदौर लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय को शिकायत की थी कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कल्याणपुरा के मेडिकल आफिसर डॉ. अर्पित कुमार नायक (29) ने चालीस हजार रुपए की रिश्वत मांगी है। दिनेश के चचेरे भाई रमेश पिता कालूसिंह की 29 अक्टूबर 2024 को पीएम होना था। डूबने से मौत पर चार लाख रुपए की सरकार से मदद मिलती है। डॉक्टर ने कहा कि अगर तुम्हें सरकारी मदद चाहिए तो पीएम में मैं डूबने की बात तभी लिखूंगा जब मुझे पचास हजार रुपए की रिश्वत दोगे। परिवार ने पहले तो उसे मनाया, लेकिन बाद में चालीस हजार रुपए में तोड़ हो गया और उसने कहा था कि मैं पंद्रह दिन बाद पीएम रिपोर्ट दे दूंगा। दोनों के बीच समझौता होने के बाद कल जब फरियादी रिश्वत देने पहुंचा तो डॉक्टर को शंका हो गई थी कि कुछ गड़बड़ है, इसलिए उसने पहले पैसे नहीं लिए। इसी बीच लोकायुक्त की टीम ने आकर उसे पकड़ लिया। पकड़ाते ही डॉक्टर ने गुस्सा निकालना शुरू कर दिया और कहा कि तुने मेरे साथ धोखा किया और मुझे मरवा दिया है। मैं बेकसूर हूं जबरन फंसा दिया। अफसरों से वो ये कहने लगा कि मेरा कोई रोल नहीं है लेकिन जब उसकी रिकार्डिंग सुनाई तो वो ठंडा पड़ गया। कार्रवाई के लिए डीएसपी दिनेस पटेल, अनिरुद्ध वागिया, इंस्पेक्टर राहुल गजभिये, हेडसाब प्रमोद यादव, सिपाही पवन पटेरिया, आदित्य भदौरिया, अनिल परमार, चंद्रमोहन विष्ठ और कृष्णा अहिरवार शामिल थे। तीन घंटे की मशक्कत के बाद डॉक्टर गिरफ्त में आ गया। घर में युवा लड़के की मौत हो गई थी। परिवार सदमे में था लेकिन डॉक्टर ने पीएम रिपोर्ट के नाम पर पैसे मांग रहा था। रिश्वत देने के लिए पैसे नहीं थे। महिलाओं के जेवर गिरवी रखे।

# 20 नवंबर को लगेगा रोजगार मेला 400 युवाओं को जॉब का मौका

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर। इंदौर में 20 नवंबर को रोजगार मेला आयोजित किया गया है। मेला सुबह 10 बजे से 4 बजे तक आईटीआई, नंदा नगर में आयोजित होगा। इसमें करीब 400 युवाओं को नौकरी का मौका मिलेगा। मेले का आयोजन रोजगार कार्यालय, आईटीआई और जिला उद्योग केंद्र कर रहा है। रोजगार कार्यालय में डिप्टी डायरेक्टर पीएस मंडलोई ने बताया कि मेले के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होने के साथ ही साथ व्यवसाय शुरू करने के लिए लोन की प्रक्रिया भी पूरी कराई जाएगी। रोजगार मेले में मोजेक वर्क स्कील, जस्ट डॉयल, श्याम मोटर्स, बालाजी सुरक्षा, पटेल मोटर्स, डीटी इंडस्ट्रीज, फार्मा ग्रोथ, मेडिप्लस, दीप्ति इंटरप्राइज, डी एंड एच सेचरोन सहित कई कंपनियों के 400 पदों पर इसके लिए अवसर दिए गए हैं। इसमें सेल्स एग्जीक्यूटिव, टेलीकॉलर, मशीन ऑपरेटर, पैकिंग, सेल्स, टीम लीडर, ड्राइवर, बैक ऑफिस, हेल्पर, इलेक्ट्रिशियन, फिटर, वेल?डर, ऑफिस बॉय के पदों पर भर्ती की जाएगी। मेले में कंपनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारंभिक रूप से चयन करेंगे। मेले में शामिल होने वाले आवेदक जिनकी उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच और शिक्षा हाई स्कूल से लेकर पीजी (किसी भी विषय में) पास होना चाहिए। साथ ही तकनीकी योग्यता जैसे आईटीआई पास अभ्यर्थी भी योग्यतानुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। मेले में शामिल होने वाले आवेदकों को अपनी सभी शैक्षणिक योग्यतानुसार प्रमाण पत्रों, बॉयोडेटा, अन्य आवश्यक प्रमाण पत्र और आधार कार्ड आदि के फोटो प्रतियां भी आवश्यक रूप से लाना होगा।

# यूरेशियन ग्रुप की बैठक में शमिल होंगे 25 देशों के प्रतिनिधि, सौंदर्यीकरण शुरू

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर। इंदौर में 25 नवंबर से शुरू होने वाली यूरेशियन ग्रुप की बैठक को लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। 20 से ज्यादा होटलों में तीन सौ से ज्यादा रुम बुक किए गए है और अलग-अलग अफसरों को जिम्मेदारियां भी दी गई है। बैठक 28 नवंबर तक चलेगी और 25 देशों के ढाई सौ प्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे। इंदौर में हो रही 41 वीं बैठक की मेजबानी भारत को 16 सालों बाद मिली है। इस बैठक में अमेरिका, चीन, जापान, ईरान, बेलारूस, कजाकिस्तान सहित 25 देशों से प्रतिनिधि 24 नवबंर से आना शुरू हो जाएंगे। बैठक में इन देशों के वित्त संस्थानों के प्रतिनिधि व आर्थिक मामलों के जानकार आएंगे। सभी देश मिलकर मनी लांड्रिंग, आतंकवाद को फंडिंग व अन्य आर्थिक अपराधों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। बैठक की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए केंद्र सरकार के अतिरिक्त सचिव विवेक अग्रवाल भी इंदौर आ चुके है। बैठक के दौरान इंदौर की सफाई और ट्रैफिक व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। बैठक में आने वाले विदेशी मेहमानों के लिए एयरपोर्ट से विजय नगर तक के हिस्सों में रंग-रोगन किया जा रहा है। दीवारों पर थ्रीडी पेंटिंग भी की जा रही है। मेहमानों के लिए एक भोज 56 दुकान पर होगा। उसका सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। शहर में जगह-जगह प्रदेश की ब्रांडिंग व वेलकम होर्डिंग भी लगाए जा रहे है। राजवीर, आर्ची के साथ जिंदगी शुरू करने के सपने देखने लगता है और इसी बीच उसे पता चलता हैं कि आर्ची सिर्फ उसे धोखा दे रही है लेकिन राजवीर गहरे प्यार में है। इस अजब गजब इश्क में कई रोमांचक और चौकाने वाले मोड़ आते हैं। देखना दिलचस्प होगा कि इस चुलबुली रोमांटिक कहानी में राजवीर को अपना प्यार मिलता है या नहीं।

# ईएसआईसी शुरू करेगा नया मेडिकल कॉलेज, पुराने अस्पताल तोड़ा जाएगा

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर। इंदौर में एक और नया मेडिकल कॉलेज खुलने जा रहा है। इसका निर्माण कर्मचारी राज्य बीमा निगम करेगा। इसके सहमति सरकार से मिल चुकी है। नंदानगर स्थित ईएसआईसी परिसर में कॉलेज बिल्डिंग का निर्माण अगले साल शुरू होगा। यह बिल्डिंग 40 साल पहले अस्पताल के लिए बनाई बिल्डिंग को तोड़कर बनाया जाएगा। बीमा निगम के अफसरों के अनुसार यह मेडिकल कॉलेज जबलपुर मेडिकल विश्व विद्यालय से संबद्ध रहेगा। भविष्य में परिसर में नर्सिंग कॉलेज भी खुल सकता है। इंदौर में नया मेडिकल कॉलेज खोलने की योजना दस साल पहले बनी थी, लेकिन तब मेडिकल कॉलेज के लिए 50 एकड़ से ज्यादा की जमीन का नियम था और कॉलेज के छात्रों को प्रैक्टिस के लिए बड़े और आधुनिक अस्पताल की जरुरत भी होती है। इस कारण मामला ठंडे बस्ते में रहा।

**500 बेड का अस्पताल बनाया**
अब ईएसआईसी ने 500 बेड का अस्पताल बना लिया है। इसका निर्माण 350 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। हाल ही में इसका लोकार्पण वर्चुअली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इस अस्पताल में तीन आपरेशन थिएटर, एक्सरे रुम, एमआरआई रुम, सोनाग्राफी, पैथलॉजी सहित अन्य सुविधाएं भी है। इंदौर संभाग से यहां बीमा निगम से जुड़े कर्मचारी इलाज के लिए आते है। इस कारण मेडिकल छात्रों को प्रैक्टिस में भी आसानी होगी।

**अगले माह से टूटने लगेगी अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग**
बीमा अस्पताल के नाम से पहचानी जाने वाली 40 साल पुरानी बिल्डिंग को तोड़ने का काम अगले माह से शुरू होगा। इस बिल्डिंग का मुआयना केंद्र से आए अफसर कर चुके है। बिल्डिंग के कई हिस्से खतरनाक भी हो चुके है।
तोड़ने में चार से छह माह का समय लगेगा। इसके बाद मेडिकल कॉलेज की नई बिल्डिंग का काम शुरू होगा। इस कॉलेज में विभाग यह भी कोशिश कर रहा है कि बीमित कर्मचारियों के बच्चों के लिए भी चयन का कुछ कोटा रहे। इंदौर में अभी एक सरकारी और दो निजी मेडिकल कॉलेज है। अब चौथा मेडिकल कॉलेज खुलेगा।

**देशभर में खुलेंगे दस नए मेडिकल कॉलेज**
देश में दस नए ईएआईसी अस्पताल कर्मचारी राज्य बीमा निगम खोलेगा। इनमें इंदौर शहर भी शामिल है। श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने पिछले साल दस कॉलेजों के निर्माण की घोषणा की थी। बीमा निगम के कॉलेज बिहार, दिल्ली, हरियाणा,कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान और बंगाल में है।

# नगर निगम ने अवैध कॉलोनी काटने वाले कॉलोनाइजर पर दर्ज कराया केस

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर। इंदौर नगर निगम ने अवैध कॉलोनी काटने वाले कॉलोनाइजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। निगम को लोगों ने शिकायत की थी। जिसमें बताया गया कि कॉलोनी में 23 लाख रुपए का एक प्लाट बेचा गया है। शिकायत मिलने के बाद इंदौर नगर निगम की रिमूवल गैंग ने जोन 13 में सर्वे क्रमांक 90/2 बिलावली में बन रही अवैध कॉलोनी पर कार्यवाही की है। इस दौरान कॉलोनी में मूरम और चूरी निर्मित अवैध सड़क को उखाड़ दिया गया। प्लाट विभाजन के लिए लगाए गए पोल को भी हटाया गया। वहीं, 3 अन्य तीन निमार्णों को भी हटाया गया। नगर निगम की टीम जब यह कार्रवाई कर रही थी, उस समय कुछ लोग प्लाट की रजिस्ट्री लेकर पहुंच गए। कार्रवाई के बाद नगर निगम इंजीनियर सत्येंद्र सिंह

राजपूत ने भंवरकुआं थाने में श्री विहार कॉलोनी निवासी कॉलोनाइजर रूपेंद्र शर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने रूपेंद्र शर्मा के खिलाफ मप्र नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 292 सी के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

# परिवार को शादी से लेने जा रहे शख्स की सड़क हादसे में मौत

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर। इंदौर में हुए एक सड़क हादसे में रमेश पिता ओंकारलाल कराड़िया (52) की मौत हो गई। शुक्रवार रात में पालदा के हनुमान मंदिर के पास यह हादसा हुआ। रमेश की पत्नी और दो बेटियां रिश्तेदार के यहां शादी में शामिल होने के लिए धार गए थे। कार्यक्रम निपटने के बाद रात को करीब दस बजे लड़की ने पिता को फोन लगाया कि हम आ रहे हैं, तुम बायपास पर हमें लेने आ जाना। जब वो बायपास पर आ गए तो रमेश मोबाइक से उन्हें लेने के लिए जा रहा था। तभी रास्ते में अज्ञात गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। रास्ते से ही आने जाने वालों ने गंभीर हालत में रमेश को एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उनकी मौत हो गई। पत्नी और बच्ची को बायपास पर ही इंतजार कर रहे थे लेकिन इसी बीच खबर आई कि पिता अस्पताल में हैं। आजाद नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। उधर, पीथमपुर के सेक्टर एक में प्रताप स्टील चौराहे पर गुजरात के ट्राले जीजेटी-9-टी-7617 ने घाटाबिल्लौद के हुसैन पिता कालू पटेल (55) की जान ले ली। पुलिस ने ट्राला जब्त कर ड्रायवर को पकड़ लिया।

# मप्र में 'राजस्व महा-अभियान 3.0' शुरू, 15 दिसंबर तक चलेगा अभियान

**सिटी चीफ भोपाल।**
भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजस्व संबंधी राज्य के पेंडिंग मामलों के निपटाने के लिए एक महीने का राजस्व महा-अभियान चलाने का ऐलान किया है। इससे पहले दो बार यह अभियान राज्य में चलाया जा चुका है। इसलिए इस अभियान को 'राजस्व महा-अभियान 3.0' नाम दिया गया है। यह 15 नवंबर से शुरू हो चुका है और 15 दिसंबर तक चलने वाला है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि इस अभियान के जरिये पहले भी 80 लाख से ज्यादा राजस्व मामलों का निपटारा किया जा चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार भी जमीन से जुड़े कई अहम मसलों का समाधान होगा। इस अभियान के बारे में अधिक जानकारी देते हुए राजस्व विभाग

के प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल ने बताया कि इसमें नामान्तरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, सीमांकन जैसे लंबित मामलों का निपटारा किया जाएगा। साथ ही, नए राजस्व प्रकरणों को भी दर्ज किया जाएगा। इसके अलावा, नक्शे में सुधार, पीएम किसान योजना का शत-प्रतिशत कवरेज, आधार को आरओआर से जोड़ना, पारंपरिक रास्तों का चिन्हांकन, फार्मर रजिस्ट्री और ह्यवामित्व योजना को लागू करना भी इस अभियान के प्रमुख उद्देश्य हैं।

सीएम ने ट्विटर पर दी जानकारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ट्विटर पर लिखा- मध्य प्रदेश के 55 जिलों में हमारे राजस्व के खसरे में नामांतरण आदि जैसे जो प्रकरण अटके हुए हैं, उनके लिए एक महा अभियान चलेगा जिसके माध्यम से हमने पुराने दौर में भी लगभग 80 लाख अलग-अलग प्रकार के राजस्व प्रकरणों का निराकरण कराया है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि इस प्रकार से जितने मसले अटके हैं उनका हल होगा।

**कलेक्टरों को जारी हुआ आदेश**

राजस्व विभाग ने सभी जिला कलेक्टरों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। अभियान की प्रगति पर नजर रखने के लिए एक 'डैशबोर्ड' भी बनाया गया है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि समय-सीमा पार कर चुके मामलों के साथ-साथ नए मामलों का निपटारा भी समय पर सुनिश्चित किया जाएगा। महा-अभियान के तहत उत्तराधिकार नामांतरण के लिए ग्राम पटवारी द्वारा बी-1 का वाचन कराया जाएगा और जिन व्यक्तियों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी सूची तैयार की जाएगी। इसके आधार पर नए मामले दर्ज कर फौती नामांतरण की कार्रवाई की जाएगी। इसी तरह, बंटवारा के लंबित और नए मामलों का भी निपटारा किया जाएगा।

**ऐसे मामलों पर रहेगा फोकस**

छह महीने से ज्यादा समय से लंबित अभिलेखों के शुद्धिकरण के मामलों को भी इस अभियान के दौरान निपटाया जाएगा। राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि आरसीएमएस पर दर्ज लंबित सीमांकन मामलों का जल्द से जल्द निपटारा करें और नए मामलों को दर्ज कर उनका भी समाधान निकालें। धारा-131 के तहत मान्यता प्राप्त सड़क, रास्ते और सार्वजनिक भूमि का चिन्हांकन भी इस अभियान का हिस्सा होगा।

**ये अधिकारी रहेंगे जिम्मेदार**

महा-अभियान 3.0 की प्रगति पर संभागीय आयुक्त नजर रखेंगे और जिलों का दौरा कर नियमित समीक्षा करेंगे।
राज्य स्तर पर समन्वय के लिए अपर संचालक, मध्यप्रदेश भू-अभिलेख प्रबंधन, भोपाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

# झुग्गी मुक्त होगा भोपाल, तीन महीने में हटेंगी झोपड़ियां

## वल्लभ भवन के आसपास के क्षेत्र से सबसे पहले हटेंगी झुग्गियां

**सिटी चीफ भोपाल।**
भोपाल। मध्यप्रदेश को झुग्गी मुक्त बनाने का काम यानी सीएम डॉ मोहन यादव का प्लान अब जमीन पर उतरते दिखाई देने लगा है। इसकी शुरुआत राजधानी भोपाल से की जा रही है और प्रशासन ने सबसे पहले राज्य सचिवालय वल्लभ भवन के आसपास के क्षेत्र से झोपड़ियों को हटाने की तैयारी शुरू कर ली है। भोपाल जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम मिलकर पहले चरण के तहत करीब 40 एकड़ क्षेत्र से झुग्गियां हटाएगा। हालांकि किसी भी व्यक्ति को सड़क पर नहीं लाया जाएगा, विस्थापित लोगों को मकान बना कर दिया जाएगा। इनको पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के माध्यम घर दिए जाएंगे। उसके बाद ही उनकी झुग्गियां हटाई जाएगी। अगले 3 महीने में भोपाल से झुग्गियां हटना शुरू हो जाएगी। पहले चरण के तहत वल्लभ भवन के आसपास हजारों की संख्या में फैली हुई झुग्गियां को हटाया जाएगा। आपको बता दें कि करीब 3 महीने पहले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बैठक ली थी। इसमें उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया था कि भोपाल को झुग्गी मुक्त बनाना है। इसके बाद शहर के आसपास हजारों की तादाद में बनी झुग्गियों को हटाने के लिए शासन ने प्लान बनाया था।

**6000 से ज्यादा मकान/फ्लैट बनेंगे**

भोपाल जिला प्रशासन के अनुसार यह पूरा काम पीपीपी मोड यानी पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के आधार पर किया जाएगा। कंपनी लोगों को 6000 से ज्यादा मकान/फ्लैट बना कर देगी। इसके बाद वल्लभ भवन के

आसपास 8 से 9 बस्तियों को खाली कराया जाएगा। इसके बाद भोपाल के अन्य क्षेत्रों की झुग्गियों को हटाने का काम शुरू किया जाएगा।

**झुग्गी वाले प्रमुख इलाके**

ोपाल के प्रमुख इलाके रोशनपुरा, राजभवन के पास करीब 17 एकड़ में फैली बस्ती, बाणगंगा, पंचशील, नया बसेरा, संजय नगर, गंगा नगर, बापू नगर, शबरी नगर, ओम नगर, दामखेड़ा, उड़िया बस्ती, नई बस्ती, मीरा नगर,भीमनगर, विश्वकर्मा नगर झुग्गी बस्तियां हैं। राहुल नगर, दुर्गा नगर, बाबा नगर, अर्जुन नगर जैसी सैकड़ों झुग्गी बस्तियां हैं।

**कितने एरिए में कितनी है संख्या**

रोशनपुरा में करीब 17 एकड़ में 35000 नागरिक रहते हैं। बाणगंगा के 48 एकड़ एरिया में करीब 35000 लोग रहते हैं। शहर की प्रमुख झुग्गी की बात करें तो बाग सेवनिया के 16 एकड़ में 30000 नागरिक रहते हैं। विश्वकर्मा नगर में 6 एकड़ में 30000 नागरिक, अन्ना नगर के 51 एकड़ में 25000 नागरिक, भीम नगर में 72 एकड़ में 8000 नागरिक, मदर इंडिया में 49 एकड़ में 4000 नागरिक, शहीद नगर में 29 एकड़ में 2000 नागरिक रहते हैं। इन सभी के क्षेत्रफलों को मिलाया जाए तो करीब 400 एकड़ में झुग्गियां खड़ी हैं।

# विजयपुर में हिंसा क्यों हुई? कांग्रेस की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी लगाएगी पता

**सिटी चीफ भोपाल।**
भोपाल। कांग्रेस की स्टेट यूनिट ने विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में आदिवासियों पर चुनाव के बाद कथित हमलों की जांच के लिए शुक्रवार को एक समिति का गठन किया है। इस समिति में विधायक फूल सिंह बरैया, पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव, लोकसभा चुनाव प्रत्याशी सत्यपाल सिंह (नीटू) सिकरवार, प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार और प्रदेश कांग्रेस एसटी विभाग के अध्यक्ष रामू टेकाम भी शामिल हैं। कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष (संगठन) राजीव सिंह ने यह जानकारी दी कि यह फैसला प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के निदेर्शानुसार लिया गया है। दरअसल, विजयपुर में मतदान से एक दिन पहले सोमवार शाम को, राजस्थान के संदिग्ध डकैतों ने धनचया गांव में आदिवासियों पर गोलीबारी की। मंगलवार को मतदान के बाद, उपद्रवियों ने उसी निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत गोहटा गांव में एक दलित बस्ती में घरों में तोड़फोड़ की, उनकी फसलें जला दीं और डॉ. भीमराव अंबेडकर की एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया।

**पीसीसी को रिपोर्ट करेगी समिति**

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को समिति का गठन किया और उसके सदस्यों को संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मिलने का निर्देश दिया। फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के सदस्य जल्द ही श्योपुर जिले के विजयपुर पहुंचेंगे और घटना की जानकारी जुटाएंगे। यह पीसीसी को रिपोर्ट भेजेगी।

**कांग्रेस के दबदबे वाली सीट है विजयपुर**

2023 के विधानसभा चुनावों में भी कांग्रेस प्रत्याशी रामनिवास रावत इस सीट से चुनाव जीते थे। रामनिवास रावत यहां से 6 बार विधायक रह चुके हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। बाद में उन्हें मध्य प्रदेश में मंत्री पद का पद दिया गया। अब वे भाजपा की ओर से विजयपुर सीट पर प्रत्याशी हैं। वहीं कांग्रेस के प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा आदिवासी चेहरा हैं। वे पहले भी निर्दलीय चुनाव लड़ चुके हैं। विजयपुर सीट आदिवासी बाहुल सीट मानी जाती है।

# 19 से 24 तक विश्व धरोहर सप्ताह, भोपाल इंदौर और उज्जैन में कई कार्यक्रम

**सिटी चीफ भोपाल।**
भोपाल। 19 से 24 नवंबर तक विश्व धरोहर सप्ताह मनाया जाएगा। जिसके तहत राज्य संग्रहालय, राजधानी में एक विशेष बहुआयामी कार्यक्रम श्रृंखला का आयोजन कर रहा है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और इंदौर में विश्व धरोहर सप्ताह को भारतीय धरोहर के संरक्षण से संबंधित कई कार्यक्रम किए जाएंगे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन धार्मिक पर्यटन एवं सस्कृति राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी द्वारा किया जाएगा।

विश्व धरोहर सप्ताह कार्यक्रम भोपाल के राज्य संग्रहालय, श्यामला हिल्स, ग्वालियर के गुजरी महल, जबलपुर के रानी दुर्गावती संग्रहालय, इंदौर के इंदौर संग्रहालय एवं उज्जैन के त्रिवेणी संग्रहालय में होंगे। हालांकि कार्यक्रमों की अभी रूप रेखा तैयार की जा रही है। जल्द ही कार्यक्रमों की पूरी रूप रेखा जारी की जाएगी। विश्व धरोहर सप्ताह के पहले दिन (19 नवंबर) एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। इस व्याख्यान का विषय होगा ह्यविश्व विरासतह्न,

जिसमें देश-विदेश की धरोहर से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। पुरातत्व विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र यादव, उमाकांत पचौरी और डॉ. सीएस सक्सेना इस विषय पर अपने अनुभव साझा करेंगे। यह व्याख्यान आम जनता के लिए खुला रहेगा।

**स्टूडेंट्स के लिए होंगी प्रतियोगिताएं**

इस दौरान भारतीय प्राचीन स्मारकों पर आधारित छाया चित्र प्रदर्शनी, व्याख्यानमाला एवं सांस्कृतिक लोक नृत्य का आयोजन किया जाएगा। प्रदर्शनी का उद्घाटन 19 नवंबर को होगा और इसे पूरे सप्ताह 24 नवंबर तक देखा जा सकेगा। विश्व धरोहर सप्ताह के तहत आयोजित किए जाने वाले अन्य कार्यक्रमों में युवाओं और विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से वे अपनी धरोहर से संबंधित ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। साथ ही एक चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। जहां प्रतिभागी अपनी कला के माध्यम से धरोहर की महत्ता को उजागर करेंगे। विरासत यात्रा के माध्यम से भी इस सप्ताह के दौरान लोगों को विभिन्न धरोहर स्थलों की यात्रा का अनुभव कराया जाएगा। जिससे उन्हें हमारे सांस्कृतिक धरोहर की गहरी समझ हो सके।

# ब्रह्माकुमारी संस्थान के वैश्विक शिखर सम्मेलन में शामिल हुए सीएम मोहन यादव

**सिटी चीफ भोपाल।**
भोपाल। भोपाल में शनिवार को ब्रह्माकुमारी संस्थान का वैश्विक शिखर सम्मेलन शुरू हुआ। कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन काम शांति, भाईचारे के लिए हुआ है लेकिन भारत की गुरुत्व शक्ति आदिकाल से काम कर रही है। विश्व गुरु बनने की भारत की सदैव कामना रही है।
पूरी दुनिया में कोई ऐसा देश नहीं जिसकी ताकत बढ़ी हो और पड़ोसी देश को न सताया हो। एकमात्र भारत ही ऐसा देश है जिसने कभी किसी को नहीं सताया, किसी को दुख नहीं दिया। सर्वे भवन्तु सुखिन¬, सर्वे संतु निरामया¬ हमारी सोच रही है। भगवान कृष्ण ने पांच हजार साल पहले गीता में कहा है कि यह शरीर एक चोला है। भगवान का विराट रूप तो कोई देख ही नहीं पाता है जिसमें हजारों सृष्टि दिखाई देती हैं। हम कहते हैं कि हमारे एक मुख है पर वास्तव में सच यह है कि अनेक मुख हैं। रोम-रोम में मुख हैं। यह ज्ञान गीता में दिया गया है। शरीर के अंदर के रहस्यों को समझ पाना आसान नहीं है। डीएनए टेस्ट तो मेडिकल साइंस भी कराती है। बाल के एक लाखवें हिस्से में भी शरीर की जानकारी मिल जाती है। दुनिया के देशों की भौगोलिक सीमा भले ही अलग है लेकिन वे सब भारत से जुड़े हैं।
सदैव अपने भक्त की रक्षा करते हैं भगवान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान सदैव अपने भक्त की रक्षा करते हैं। भगवान भक्त की रक्षा के लिए खुद को भी कष्ट में डालते हैं और सच्चे भक्त की हर कष्ट से रक्षा करते हैं। आध्यात्मिकता के साथ स्वस्थ और स्वच्छ समाज के निर्माण के लिए यह संस्थान अच्छा काम कर रहा है।

**राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन**

ब्रह्मकुमारी के नीलबड़ स्थित सुख शांति भवन मेडिटेशन रिट्रीट सेंटर के अनुभूति सभागार में वैश्विक शिखर सम्मेलन-2024 के अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री कृष्णा गौर, महापौर भोपाल मालती राय और हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा, विधानसभा प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह की मौजूदगी में सम्मेलन की शुरूआत हुई। सम्मेलन का विषय आध्यात्मिकता द्वारा स्वस्थ और स्वच्छ समाज है।

**ब्रह्मकुमारी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने रखे विचार**

ब्रह्मा कुमारी, सुख शांति भवन की डायरेक्टर बीके नीता दीदी ने बताया कि कार्यक्रम में आध्यात्मिकता में रुचि रखने वाले शहर के सभी व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। समिट में एमपी के ब्रह्म कुमारी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने विचार रखा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता माउंट आबू से आई राजयोगिनी पुष्पा दीदी, अध्यक्षा जूरिस्ट विंग ब्रह्मकुमारी शामिल हुए हैं।

# कमलनाथ को कार्यकर्ताओं ने पहनाया मुकुट तो बीजेपी ने कसा तंज

**भोपाल।** पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ शनिवार को भोपाल पहुंचे। उनके बंगले पर समर्थकों ने कमलनाथ को मुकुट पहनाकर अगवानी की। जिसकी तस्वीर खुद कमलनाथ ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर शेयर की है। भोपाल में दो घंटे रुकने के बाद कमलनाथ छिंदवाड़ा चले गए हैं। कमलनाथ के स्वागत पर बीजेपी नेता नरेंद्र सलूजा ने तंज कसा है। एक्स पर लिखा- कमलनाथ अब फिर शक्ति प्रदर्शन कर रहे हैं। बीजेपी नेता सलूजा ने एक्स लिखा- मध्यप्रदेश में हुए

दोनों सीट के उपचुनावों में कांग्रेस के स्टार प्रचारक कमलनाथ कहीं नजर नहीं आए। आखिरी समय में उन्होंने इन क्षेत्रों में अपनी प्रस्तावित सभाएं और दौरे भी निरस्त कर दिए थे। तब मीडिया द्वारा पूछे सवाल पर जीतू पटवारी ने कहा था कि- उनकी तबीयत बहुत खराब है। चुनाव संपन्न होते ही पूर्व सीएम कमलनाथ का आज भोपाल में शक्ति प्रदर्शन हुआ। बाकी खुद समझा जा सकता है। दूसरी ओर कमलनाथ ने भोपाल और छिंदवाड़ा में कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा किए गए स्वागत के फोटो सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। भोपाल में हुई मुलाकात को उन्होंने सामान्य बताया। वहीं छिंदवाड़ा के स्वागत को लेकर लिखा- आज छिंदवाड़ा में सभी सम्मानित कार्यकताओं से भेंट मुलाकात की। आपका प्रेम और स्नेह ही मेरी शक्ति है।

# बोर्ड ऑफिस चौराहे से अरेरा हिल्स सड़क बनी धूल का गुबार

**सिटी चीफ भोपाल।**
भोपाल। राजधानी भोपाल की मुख्य सड़क कही जाने वाली बोर्ड ऑफिस चौराहे से अरेरा हिल्स की रोड इन दिनों धूल का गुब्बारा बनी हुई है। यहां से गुजरने वाले दो पहिया वाहनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर इतनी धूल है कि यहां से गुजरने वाली गाड़ियां धूल के गुबार में गुम हो जाती है। धूल के गुबार के उस पार कुछ भी नहीं दिखाई नहीं देता। छोटी-बड़ी सभी गाड़ी गुम होती नजर आती है। शहर की मुख्य सड़क के ये हाल हैं तो दूसरी सड़कों का क्या होगा यह आप समझ ही सकते हैं। आस पास सुबह के समय आकर खड़ी हुई गाड़ियां शाम होने से पहले ही धूल की चादर ओढ़ लेती है। यहां फलहारी खिचड़ी का ठेला लगाने वाले दीपक सूर्यवंशी ने बताया कि

वे लगभग 2 महीने से यहां ठेला लगा रहे हैं। उनका कहना है कि यहां सुबह के समय धूल के साथ ट्रैफिक की समस्या भी बहुत ज्यादा होती है।
वहीं शाम को दफ्तर बंद होने के समय भी ट्रैफिक बढ़ जाता है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि यहां धूल-मिट्टी की वजह से प्रदूषण बहुत ज्यादा रहता है। वहीं नगर निगम भी पानी का छिड़काव नहीं करवाती है। दूसरी ओर मेट्रो प्रशासन भी सिर्फ स्टेशन वाले हिस्से में पानी का छिड़काव करवाता है। दुकानदारों का कहना है कि धूल-मिट्टी की वजह से पानी पुरी और खिचड़ी भी खराब होती है। यहां से गुजरने वाले लोगों को धूल-मिट्टी की वजह से भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सड़क निर्माण न होने से लोगों को गड्डो व धूल से रोजाना निकलना पड़ता है। जिम्मेदार अधिकारी भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

## सम्पादकीय

# डॉक्टर के पेशे को तो दैवीय और पवित्र रहने दो...

**गुजरात के एक निजी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का एक मामला सामने आया है। सेहत की जांच का निशुल्क शिविर लगाया गया। वह छलावा था। गांवों से 19 ऐसे लोगों को, उनकी सेहत की सम्यक जांच के नाम पर, अस्पताल तक लाया गया, जो आयुष्मान कार्डधारक थे। उनमें से 7 लोगों को इलाज के तौर पर भरमाया गया और 'एंजियोप्लास्टी' का ऑपरेशन कर उनके दिल में स्टेंट डाल दिए गए। उन लोगों को दिल की कोई बीमारी पहले से नहीं थी।**

सेहत और इलाज के सौदागरों ने 'आयुष्मान भारत' योजना में भी भ्रष्टाचार खोज लिया है। निजी अस्पताल लाखों रुपए कमा रहे हैं। फर्जी इलाज किए जा रहे हैं और बीमे के क्लेम भी फर्जी हैं। निजी अस्पतालों की सिंडिकेट लॉबी ने डॉक्टरों को भी भ्रष्ट और अनैतिक होने पर विवश कर दिया है। यदि आप अस्वस्थ हैं और अस्पताल जाने की नौबत आ जाए, तो अस्पताल वाले सबसे पहला सवाल यही करेंगे-आयुष्मान कार्ड है? चूंकि इलाज का खर्च आपको नहीं करना। 'आयुष्मान कार्ड' के जरिये भारत सरकार 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित करती है, लिहाजा अस्पताल उस कार्ड के जरिये सरकार से बीमे का क्लेम वसूल लेते हैं। सौदागरों ने आयुष्मान के माध्यम से अपनी अतिरिक्त आमदनी का रास्ता खोज लिया है और उसका भरपूर दोहन किया जा रहा है। हाल ही में गुजरात के एक निजी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का एक मामला सामने आया है। सेहत की जांच का निशुल्क शिविर लगाया गया। वह छलावा था। गांवों से 19 ऐसे लोगों को, उनकी सेहत की सम्यक जांच के नाम पर, अस्पताल तक लाया गया, जो आयुष्मान कार्डधारक थे। उनमें से 7 लोगों को इलाज के तौर पर भरमाया गया और 'एंजियोप्लास्टी' का ऑपरेशन कर उनके दिल में स्टेंट डाल दिए गए। उन लोगों को दिल की कोई बीमारी पहले से नहीं थी। उन कथित मरीजों के परिजनों को जानकारी तक नहीं दी गई और न ही कोई लिखित, हस्ताक्षरी सहमति ली गई। कमाल तो यह है कि भारत सरकार के संबद्ध विभाग की अनुमति भी कुछ ही घंटों में हासिल कर ली गई। यह अनुमति अमूमन दो दिनों में मिलती है। इन ऑपरेशनों का नतीजा यह हुआ कि दो कथित मरीजों की मौत हो गई और 5 अन्य आईसीयू में इलाजरत हैं। अद्यतन सूचना यही है। डॉक्टर के पेशे से खिलवाड़ कराया गया, अनैतिक अपराध किया गया, बल्कि यह हत्या का मामला बनता है। लालच था कि जो ऑपरेशन किए गए, उनके एवज में भारत सरकार से अच्छा-खासा पैसा मिल जाएगा। मौजू सवाल यह है कि क्या ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर वाकई 'कॉर्डियोलॉजिस्ट' थे? क्या ऑपरेशन करना जरूरी था? क्या स्टेंट बेहतर क्वालिटी के थे अथवा सस्ते, घटिया स्टेंट डाल कर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ किया गया? डॉक्टर फरार बताए जाते हैं, लेकिन उनकी पेशेवर मान्यता का क्या होगा? क्या मान्यता रद्द की जाएगी और डॉक्टर के खिलाफ हत्या का केस चलाया जाएगा? इस संदर्भ में सबसे बड़ा और काला खलनायक तथा अपराधी तो अस्पताल प्रबंधन है। बेशक अस्पताल की मान्यता खारिज न की जाए, लेकिन मौजूदा प्रबंधन को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त किया जाना चाहिए। अस्पताल में निकट अतीत में आयुष्मान कार्डधारकों के कितने मामले आ चुके हैं, उनकी बीमारी क्या थी अथवा वे बीमार ही नहीं थे, क्या जबरन ऑपरेशन किए गए, इन तमाम पहलुओं की विस्तृत जांच की जानी चाहिए। भारत सरकार के संबद्ध विभाग के अधिकारियों की भी गहन जांच की जानी चाहिए कि कहीं सांठगांठ और मिलीभगत, पैसे के लेन-देन की सचाई तो नहीं थी! भारत सरकार ने आयुष्मान कार्ड का दायरा बढ़ाया है। अब 70 साल की उम्र वाला प्रत्येक नागरिक यह स्वास्थ्य बीमा पाने का पात्र है। करीब 5 लाख लोगों ने विस्तारित योजना के तहत अपना पंजीकरण भी करा लिया है। करीब 6 करोड़ बुजुर्ग भारतीय इस नई योजना से लाभान्वित होंगे। देखना होगा कि भ्रष्ट व्यवस्था और नैतिक पतन का शिकार यह योजना भी होगी अथवा नहीं। आयुष्मान की विस्तारित योजना के लिए अलग से किसी बजट का प्रावधान अभी नहीं किया गया है। यकीनन यह योजना बेहद मानवीय और अद्वितीय है, लेकिन राज्यों की ढिलाई, सरकारी अस्पतालों में साधनहीनता और भेड़-बकरी की तरह भीड़, लिहाजा आम आदमी की बढ़ती उदासीनता, निजी अस्पतालों के ऐसे भ्रष्ट और अनैतिक सौदागर, बूढ़े लोगों का अशिक्षित और शारीरिक तौर पर अक्षम होना ऐसे सवाल हैं, जो सोचने को बाध्य करते हैं। आयुष्मान योजना में ही भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। बहरहाल यह जो मामला बेनकाब हुआ है, उसमें ऐसी कठोर कार्रवाई की जाए कि सौदागरी करने वाले ही भूल जाएं।

# गंगा का मैल सख्ती व जवाबदेही से ही दूर होगा

**2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा को प्रदूषित करने के गुनहगार?**

गंगा की सफाई, उसे प्रदूषण मुक्त करने एवं नदियों के माध्यम से आर्थिक विकास, धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता। यह गौर करना राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी के कारण भी जरूरी हो गया है, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिए भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है।

कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा को प्रदूषित करने के गुनहगार? सरकारों को यह समझना होगा कि उसे केवल गंगा को साफ ही नहीं करना, बल्कि उसकी निर्मलता एवं अविरलता के लिए एक अनूठा उदाहरण भी पेश करना है। ऐसा करके ही देश की अन्य नदियों को भी प्रदूषणमुक्त करने की दिशा में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा सकेगा। यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण ढ़ेर बने मलबे एवं कचरे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। औद्योगिक कारखानों का जहरीला कचरा ही नहीं बल्कि सरकार की अन्य विकास योजनाएं ही गंगा को प्रदूषित करने का जरिया बन रही है, जो अधिक शर्मनाक एवं चिन्ताजनक है। गंगा नदी एवं अन्य नदियों में उद्योगों से विभिन्न रसायन, चीनी मिल, भट्टी, ग्लिस्रिन, टिन, पेंट, साबुन, कताई, रेयान, सिल्क, सूत, प्लास्टिक थेलियां-बोतले आदि जहरीला कचरा बड़ी मात्रा में सरकार की चेतावनियों के बावजूद मिल रहा है।

गंगा कायाकल्प का दृष्टिकोण 'अविरल धारा' (सतत प्रवाह), 'निर्मल धारा' (प्रदूषणरहित प्रवाह) को प्राप्त करके और भूगर्भीय और पारिस्थितिक अखंडता को सुनिश्चित करके नदी की अखंडता को बहाल करने की समग्र योजना और रखरखाव के बावजूद गंगा लगातार प्रदूषित हो रही है। जबकि सरकार क्रॉस-सेक्टोरल सहयोग को प्रोत्साहित करने वाली नदी बेसिन रणनीति को लागू करके गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और पुनरोद्धार को सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। यह पानी की गुणवत्ता और पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार विकास को बनाए रखने की दृष्टि से गंगा नदी में न्यूनतम जैविक प्रवाह भी सुनिश्चित करता है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' में अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिए शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। अधिकारियों की लापरवाही या फिर गड़बड़ियों की वजह से किसी बड़ी और बेहद महत्वपूर्ण पहलकदमी का भी हासिल शून्य कैसे हो सकता है, इसका उदाहरण गंगा का प्रदूषण है।

दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य शृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। इसी से यह उम्मीद की जा सकती है कि इसके जरिए मानव सभ्यता के लिए एक बेहद जरूरी नदी में फिर से जीवन भर सकेगा। वास्तव में गंगा एक संपूर्ण संस्कृति की वाहक रही है, जिसने विभिन्न साम्राज्यों का उत्थान-पतन देखा, किंतु गंगा का महत्व कम न हुआ। आधुनिक शोधों से यह भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद है। यद्यपि औद्योगिक विकास ने गंगा की गुणवत्ता को दूषित किया है, किन्तु उसका महत्व यथावत है। उसका महात्म्य आज भी सर्वोपरि है। गंगा स्वयं में संपूर्ण संस्कृति है, संपूर्ण तीर्थ है, उन्नत एवं समृद्ध जीवन का आधार है, जिसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है।

नमामि गंगे परियोजना व स्वच्छ गंगा हेतु राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत प्रदेश में गंगा किनारे के 1,604 गांवों में 3,88,340 शौचालयों का निर्माण करवाकर उन्हें खुले में शौच से मुक्त गांव घोषित किया गया और नदी किनारे एक करोड़ 30 लाख पौधों का रोपण किया गया। गंगा को निर्मल बनाने के लिए घाट, मोक्षधाम, बायो डायवर्सिटी आदि से जुड़े 245 प्रोजेक्ट पर तेजी से काम हो रहा है। गंगा की 40 सहायक नदियों में प्रदूषित जल का प्रवेश रोकने के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार में 170 परियोजनाओं पर काम चल है। एक और राहत की खबर जो उम्मीद की किरण बन कर सामने आयी है कि गंगा में विषाक्त कचरा उड़ेलने वाली औद्योगिक इकाइयों में कमी आ रही हैं। सरकार के प्रयासों से गंगा के तटों का सौन्दर्यकरण भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जिससे पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा। मोदी सरकार ने एक सराहनीय पहल करके स्वच्छ गंगा कोष की स्थापना की है, जिसमें स्थानीय नागरिक व भारतीय मूल के विदेशी व्यक्ति और संस्थाएं आर्थिक, तकनीकी व अन्य सहयोग कर सकते हैं। स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें मिली विभिन्न भेंटों व स्मृति चिह्नों की नीलामी से प्राप्त 16 करोड़ 53 लाख रुपये की राशि इसी कोष में दी है।

यह खबर आई थी कि सरकार 2022 तक गंगा नदी में गंदे नालों के पानी को गिराने से पूरी तरह रोक देगी और इस मसले पर एक मिशन की तरह काम चल रहा है। लेकिन ताजा स्थितियां एवं गंगा का प्रदूषण बताता है कि इस नदी के निर्मलीकरण के लिए चलाई जाने वाली योजनाओं की उपलब्धि वास्तव में कितनी है? नीतियों और योजनाओं के बरक्स उन पर अमल की यह तस्वीर राजनीति इच्छाशक्ति एवं प्रशासनिक लापरवाही को ही दर्शाती है। अन्यथा क्या कारण है कि नदियों के प्रदूषण को दूर करने के क्रम में सबसे ज्यादा जोर गंगा को स्वच्छ बनाने पर ही दिया गया, मगर इसका हासिल आज भी संतोषजनक नहीं है। सही मायनों में आज गंगा के उद्धार के लिये सरकार के साथ-साथ हर भारतीय को भगीरथ जैसा दायित्व निभाना होगा। तभी सदियों से अविरल बह रही जीवनदायी गंगा की प्रतिष्ठा एवं पवित्रता भी फिर से स्थापित हो सकेगी। फिर एनजीटी को यह न कहना पड़ेगा कि फलां जगह का गंगाजल आचमन करने लायक नहीं रह गया है। दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य शृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में अघुलनशील कचरा व अन्य अपशिष्ट डालने से रोकने के लिये जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। यदि जागरूकता व प्रेरित करने से बात नहीं बनती तो इसके लिये जुर्माने का प्रावधान भी होना चाहिए। साथ ही गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए।

# क्या मणिपुर के बाद सुलगेगा नगालैंड?

मणिपुर 18 महीनों से हिंसा की आग में जल रहा है। पूर्वोत्तर के इस राज्य में 3 मई, 2023 को हिंसा का दौर शुरू हुआ था, लेकिन आज 18 महीनों के बाद भी अशांति है। इस हफ्ते की शुरुआत में मणिपुर में सीआरपीएफ के साथ मुठभेड़ में दस उग्रवादी मारे गए। यह मुठभेड़ तब हुई जब वर्दी पहने और अत्याधुनिक हथियारों से लैस उग्रवादियों ने जिरीबाम जिले के जाकुरधोर में बोरोबेक्रा पुलिस स्टेशन और उससे सटे सीआरपीएफ कैंप पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी थी। इसके बाद से यहां के हालात फिर बेकाबू हो गए हैं।

2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में एनएससीएन-आईएम इसाक-मुइवा गुट के साथ एक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। एनएससीएन-आईएम इसाक-मुइवा गुट ने अपने बयान में कहा कि हम 3 अगस्त, 2015 को किए गए फ्रेमवर्क समझौते के पत्र और भावना के साथ घृणित विश्वासघात को लेकर नाखुश हैं। उन्होंने कहा कि हिंसक टकराव पूरी तरह से भारत और उसके नेतृत्व द्वारा जानबूझकर विश्वासघात और प्रतिबद्धता के उल्लंघन के कारण होगा। एनएससीएन के महासचिव और मुख्य राजनीतिक वार्ताकार थुइंगलेंग मुइवा द्वारा हस्ताक्षरित पांच पेज के बयान में कहा गया है कि एनएससीएन नगाओं के अद्वितीय इतिहास, संप्रभुता, स्वतंत्रता, क्षेत्र, ध्वज और संविधान की रक्षा और सुरक्षा करेगा, चाहे कुछ भी हो जाए। मणिपुर लगातार जल रहा है। ऐसे में पूर्वोत्तर के एक अन्य राज्य नगालैंड में एक और संकट सिर उठाने लगा है। नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (एनएससीएन-आईएम) के इसाक-मुइवा गुट ने एक बयान जारी कर हिंसक सशस्त्र प्रतिरोध फिर से शुरू करने की धमकी दी है। उसका कहना है कि नगा राजनीतिक समस्या को हल करने के लिए दोनों पक्षों द्वारा हस्ताक्षरित 2015 फ्रेमवर्क समझौते का सम्मान नहीं किया गया। एनएससीएन-आईएम ने चेताया है कि अगर केंद्र उसकी मांगें मानने के लिए तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के लिए सहमत नहीं हुआ, तो वह फिर से संघर्ष शुरू करेगा। उसकी मांगों में नगाओं के लिए एक अलग ध्वज और संविधान पर गतिरोध बना हुआ है।

एक रिपोर्ट के अनुसार एक सरकारी सूत्र ने बताया कि यह बयान टी. मुइवा के नाम से उनके दो चीन-स्थित सहयोगियों फुंथिंग शिमराय और पामशिन मुइवा द्वारा तैयार किया गया है। सूत्र ने बताया कि 90 वर्षीय मुइवा की तबीयत ठीक नहीं है और वे हाल की सरकारी वार्ताओं में शामिल नहीं हुए हैं। वर्तमान में वे दीमापुर के हेब्रोन कैंप में अपने निवास पर हैं। 20 सितंबर को पामशिन मुइवा को एनएससीएन का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया था। सशस्त्र विद्रोही समूह ने 1997 में केंद्र सरकार के साथ एक संघर्षविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। बयान में कहा गया कि टी. मुइवा और उनके मित्र स्वर्गीय इसाक चिशी स्वू ने 1997 में 'नागा राजनीतिक मुद्दे' को शांतिपूर्ण वार्ताओं के माध्यम से हल करने के लिए बातचीत में शामिल हुए थे।

इसमें कहा गया कि 1997 के समझौते के व्यापक सिद्धांत थे कि वार्ताएं बिना शर्त होंगी और प्रधानमंत्री के स्तर पर होंगी, किसी तीसरे देश में होंगी, और एक तीसरे पक्ष के गवाह के सामने होंगी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और एनएससीएन के बीच 600 से अधिक राजनीतिक वार्ताएं उन सिद्धांतों के आधार पर हुई हैं और 2002 की एम्स्टर्डम संयुक्त विज्ञप्ति ने नगाओं के अद्वितीय इतिहास और स्थिति को मान्यता दी और स्वीकार किया। उन्होंने दावा किया कि 2015 के फ्रेमवर्क समझौते ने नगा मुद्दे को 'दो संप्रभु संस्थाओं के राजनीतिक संघर्ष' के रूप में मान्यता दी और स्वीकार किया क्योंकि इसमें 'संप्रभु शक्तियों' को 'नए संबंध' में साझा करने की बात की गई थी।

2015 में नगा शांति वार्ता के वाताकार्र आर.एन. रवि द्वारा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। रवि, वर्तमान में तमिलनाडु के राज्यपाल हैं, 2021 में स्थानांतरित होने तक वह नगालैंड के राज्यपाल का प्रभार संभाल रहे थे। तब से कोई नया वार्ताकार नियुक्त नहीं किया गया है। नगा समूह गृह मंत्रालय में पूर्व खुफिया ब्यूरो (आईबी) अधिकारी ए.के. मिश्रा, जो पूर्वोत्तर के सलाहकार हैं, के साथ बातचीत करते रहे हैं। यह ऐसे समय में आया है जब केंद्र सरकार नगा नेशनल पॉलिटिकल ग्रुप्स (एनएनपीजी) के साथ समानांतर बातचीत कर रही है, जो एनएससीएन (आईएम) को छोड़कर सात नगा संगठनों का एक समूह है। एनएससीएन-आईएम इसाक-मुइवा गुट 'ग्रेटर नगालैंड' या नगालिम के निर्माण की मांग कर रहा है। इसके अनुसार पड़ोसी असम, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश के नगा-प्रभुत्व वाले क्षेत्रों को एकीकृत करके 1.2 करोड़ नगाओं को एकजुट किया जाए।

# पीएम मोदी नाइजीरिया में... आखिर भारत को क्या देता है यह देश?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नाइजीरिया के राष्?ट्रपति अहमद टिनूबू के न्?यौते पर पहली बार इस देश के दौरे पर हैं। नाइजीरिया और भारत के रिश्?ते काफी पुराने हैं। जब भारत आजाद हुआ तो उसने अफ्रीकी देशों की आजादी को लेकर भी आवाज बुलंद की। भारत ने नाइजीरिया में वर्ष 1958 में दूतावास की स्?थापना कर दी थी। इसी के दो साल बाद नाइजीरिया को आजाद देश का दर्जा मिल गया। नाइजीरिया की आजादी के बाद सितंबर 1962 में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने नाइजीरिया का दौरा किया। उसके 40 साल बाद वर्ष 2002 में तत्?कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी कॉमनवेल्?थ देशों की मीटिंग में शामिल होने नाइजीरिया पहुंचे थे। इसके बाद 2007 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने नाइजीरिया का दौरा किया था। अब 2024 में पीएम नरेंद्र मोदी यहां के दौरे पर हैं।

नाइजीरिया को अफ्रीका का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश कहा जाता है। आपको जानकर यह हैरानी होगी कि नाइजीरिया की आबादी उत्तरप्रदेश से भी कम है। 2011 की जनगणना के मुताबिक उत्तरप्रदेश की आबादी 19.98 करोड़ थी। साल 2023 में उत्तरप्रदेश की आबादी में 1.02त्न की बढ़ोतरी होने की बात कही गई है। वर्ल्?ड पॉपुलेशन रिव्?यू पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024 में उत्तरप्रदेश की जनसंख्?या 25 करोड़ 70 लाख 54 हजार 568 होने का अनुमान जताया गया है। अगर नाइजीरिया की बात करें तो दुनिया के देशों की आबादी का लेखा-जोखा रखने वाली वेबसाइट वर्ल्?ड मीटर के मुताबिक नाइजीरिया की आबादी वर्ष 2024 में 23 करोड़ 44 लाख 93 हजार 750 है। संयुक्?त राष्?ट्र के मुताबिक यह देश सबसे तेजी से जनसंख्?या बढ़ाने वाले देशों में शामिल है और जिस रफ्तार से यहां की आबादी बढ़ रही है, उस आधार पर 2050 तक नाइजीरिया की आबादी 40 करोड़ तक होने का अनुमान है।

इस आधार पर यह कहा जा सकता है कि नाइजीरिया की आबादी भारत के उत्तरप्रदेश की जनसंख्?या से भी कम है।

नाइजीरिया की गिनती अफ्रीका के महत्?वपूर्ण देशों में होती है। यहां तेल और गैस का भंडार है। यह भारत की ऊर्जा सेक्?टर की जरूरतों को पूरा करता है। नाइजीरिया तेल उत्?पादक देशों (ओपेक) का सदस्?य भी है। भारत जहां नाइजीरिया को दवाइयां और ऑटोमोबाइल निर्यात करता है, वहीं नाइजीरिया भारत को तेल, गैस के अलावा उर्वरक उपलब्?ध कराता है। भारत की लगभग 150 कंपनियां नाइजीरिया में संचालित हो रही हैं। यहां भारतीय कंपनियों ने 27 अरब डॉलर का निवेश किया है। इस तरह अगर अफ्रीकी देशों की बात करें तो नाइजीरिया भारत का सबसे बड़ा बिजनेस पार्टनर देश है। नाइजीरिया का क्षेत्रफल 9 लाख 23 हजार 769 वर्ग किमी है। यहां पर 250 से अधिक जातीय समूह रहते हैं। इस देश में प्रमुख रूप से अंग्रेजी, हौसा और योरूबा आदि भाषाएं बोली जाती हैं, लेकिन कहा जाता है कि यहां पर 500 से अधिक बोलियां हैं। भारत से नाइजीरिया की दूरी 7,606 किमी है।

जब नाइजीरिया अपनी आजादी के बाद खुद को उभारने और संवारने में जुटा था तो भारत ने उसकी बड़ी मदद की थी। भारत के टीचर्स और डॉक्टर्स नाइजीरिया की लाइफलाइन बने थे। ऐसा भी माना जाता है कि नाइजीरिया में आज जिन लोगों की उम्र लगभग 40 या 60 के बीच है, उनमें से अधिकांश लोगों ने भारतीय अध्यापकों से ही शिक्षा ग्रहण की है। वैसे भी शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए आज भी नाइजीरिया के नागरिकों की पहली पसंद भारत ही है। इसके साथ ही साथ भारत ने डिफेंस ट्रेनिंग में भी नाइजीरिया को बहुत सहयोग मुहैया कराया था। भारत ने नाइजीरिया के कडूना में नेशनल डिफेंस एकेडमी और पोर्ट हरकोर्ट में नेवल वॉर कॉलेज की स्थापना के माध्यम से डिफेंस ट्रेनिंग में सहयोग किया।

नाइजीरिया में बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग रहते हैं। नाइजीरिया में लगभग 60 हजार की संख्या में भारतीय मूल के लोग हैं, जो कि किसी भी अफ्रीकी देश की तुलना में सबसे ज्यादा है। पीएम मोदी ने पिछले साल जी 20 में अफ्रीकी यूनियन को शामिल किया, अफ्रीकी देशों की आवाज को एक वैश्विक मंच देने का काम किया। सिर्फ यही नहीं पीएम मोदी ने वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ के 2 सम्मेलन का भी आयोजन कराया, जिसमें आर्थिक रूप से पिछड़े और विकासशील देशों को सशक्त बनाने पर जोर दिया, ताकि आर्थिक पैमाने पर ये देश विकसित देशों से पीछे ना रह जाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने दुबई में कॉप 28 के दौरान भी ग्लोबल साउथ के देशों की आवाज को बुलंद किया और कहा कि विकसित देशों का खामियाजा ग्लोबल साउथ के देशों को न भुगतना पड़े, इसके लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत समय-समय पर अफ्रीकी देशों की अलग-अलग स्तर पर बड़ी मदद करता रहता है। इस बात को अफ्रीकी देश बहुत अच्छी तरह से समझते हैं कि उनके लिए भारत ज्यादा विश्वसनीय देश है न कि चीन। इसलिए पीएम मोदी के नाइजीरिया दौरे से चीन परेशान नजर आ सकता है। पीएम मोदी ने अपनी नाइजीरिया यात्रा से पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा है कि नाइजीरिया के हिन्दी प्रेमियों ने जिस प्रकार वहां के मेरे दौरे को लेकर उत्साह दिखाया है, वो हृदय को छू गया है! अपनी इस यात्रा को लेकर बहुत उत्सुक हूं।

# विश्व हिन्दू परिषद/ बजरंग दल ने किया रक्त दान

## रक्तदान महादान है - समाजसेवी पुष्पराज राय

**यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।**

अनूपपुर, हुआत्मा दिवस के अवसर पर 15 नवंबर को विश्व हिन्दू परिषद/बजरंग दल प्रखंड धनपुरी के काली चौरा धनपुरी नम्बर 1 में रक्त दान एवं रक्त परीक्षण शिविर लगाया गया जिसमें विश्व हिन्दू परिषद/बजरंग दल के कार्यकर्ताओं सहित आम जन मानस ने किया रक्त दान व कराया रक्त परीक्षण ।रक्त परीक्षण कार्यक्रम के दौरान बजरंग दल के विभाग संयोजक जय सिंह, विहिप जिला मंत्री अभिनाश , प्रखंड मंत्री ए.पी.एस.सोनी , प्रखंड सयोजक पुष्पराज राय , सहमंत्री शिवम ,आर्यन ,आशीष सहित समस्त कार्यकर्ता गण उपस्थित थे । शिविर के अंत में आए हुए समस्त कार्यकर्ता गण एवं स्वास्थ विभाग शहडोल का प्रखंड अध्यक्ष संजू तिवारी के द्वारा आभार व्यक्त कर शिविर को संपन्न कराया गया।

# ट्रक चालक की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

## चार हत्यारोपी गिरफ्तार, एक अभी है फरार

### कब्जे से मृतक का पर्स, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, मृतक वसीम के 02 फोटो व 3110/- रुपये नगद हुए बरामद

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।**

सहारनपुर, 10 महीने पहले नंदी फिरोजपुर हाईवे पर ट्रक चालक की हुई हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अभी फरार है। पुलिस पूछताछ के दौरान हत्यारोपियों ने बताया कि ट्रक चालक ने लूट का विरोध किया तो उसे उसकी बेल्ट से पैर बांधकर गला घोंटकर मौत के घाट उतार दिया था।पुलिस लाइन में एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि थाना गंगोह क्षेत्र के ततारपुर गांव निवासी इनाम ने अपने बेटे वसीम की गला घोंटकर हत्या करने के मामले में थाना देहात कोतवाली में आठ फरवरी को मुकदमा दर्ज कराया था। वसीम ट्रक चलाता था। उसका शव नंदी फिरोजपुर हाईवे पर अजय व मन्नत ढाबे के बीच एक ईख के खेत में मिला था। ट्रक चालक की हत्या गला घोंटकर हुई थी। पुलिस ने मामले में जांच शुरू की है। जांच के बाद माही गांव निवासी परवेज उर्फ मोटी, मल्लीपुर गांव निवासी जुल्फान उर्फ बुडढ़ी, महेश्वरी खुर्द गांव निवासी मुसाहिब उर्फ लंबो और तालापुर के रहने वाले सोनू उर्फ नरेंद्र को गिरफ्तार किया है, जबकि आरोपी प्रदीप अभी पुलिस पकड़ से दूर है। आरोपी जुल्फान दो गिरोह चलाता है, जो हाईवे पर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देते हैं।

# सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय संजय नगर में मनाया गया बाल दिवस

### बाल मेले में बच्चों ने लगाए स्वादिष्ट व्यंजनो के स्टॉल, बच्चों की रक्षा ही हमारी सुरक्षा है- पार्षद पवन चीनी

**यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।**

अनूपपुर, 14 नवंबर बाल दिवस के अवसर पर नगर परिषद बरगवां अमलाई के वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद व समाजसेवी पवन चीनी ने सरस्वती शिशु मंदिर संजय नगर स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अतिथि के रूप में उपस्थित थे, और उनके द्वारा बताया कि बाल दिवस हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मनाया जा रहा है,पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्म दिन के मौके पर यह कार्यक्रम मनाया जाता है। यह दिन खासतौर से बच्चों के लिए होता है। जिसमें उनकी खुशियों और उनके उज्ज्वल भविष्य को संवारने के लिए जागरूकता फैलाई जाती है। इस दिन का मुख्य मकसद बच्चों के प्रति जागरूकता को बढ़ाना और उन्हें एक सुरक्षित, खुशहाल और शिक्षा से भरपूर जीवन देने की दिशा में काम करना है। पंडित जवाहर लाल नेहरू को बच्चों से बेहद लगाव और प्यार था। बच्चे भी उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहते थे,उनका जन्म 14 नवंबर 1889 को हुआ था।पंडित जवाहरलाल नेहरू बच्चों को देश का भविष्य मानते थे,हमेशा कहा -कहते थे कि बच्चे देश की नींव हैं, उन्हें सही शिक्षा और अवसर दिए जाने चाहिए, ताकि वे बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें, उनका मानना था कि बच्चों की सही देखभाल और मार्गदर्शन से ही देश उन्नति की ओर बढ़ सकता है। बच्चों के प्रति उनके इस विशेष प्रेम के कारण ही 14 नवंबर को बाल दिवस (चिल्ड्रन्स डे) मनाया जाता है। बाल मेले में खासकर बच्चों ने फास्ट फूड के स्टॉल लगाए , स्टालों में स्वादिष्ट व्यंजन और पकवान शामिल थे। बच्चों, पालकों और शिक्षकों ने भी बाल मेले में खरीददारी कर जमकर लुफ्त उठाया और बच्चो के स्टालों से स्वादिष्ट व्यंजन खरीदकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया, इस मौक़े पर विद्यालय के शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुल निर्माण के चलते JCB से रस्सी के सहारे हटाई गईं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्वर्गीय माधवराव सिंधिया की प्रतिमा, जताया विरोध

**सुनील यादव । सिटी चीफ**

कटनी, राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रहें पुल निर्माण कों लेकर लमतरा के पास लगी कांग्रेस के नेता माधव राव सिंधिया की मूर्ति कों अपमानित तरीके से हटाने पर कांग्रेस के युवा कांग्रेस अध्यक्ष दिव्यांशु अंशु मिश्रा ने अपने ट्विटर के × होल्डर अकाउंट पर इस अपमान की निंदा करते हुए विरोध किया। दरअसल राष्ट्रीयराजमार्ग पर पुल का निर्माण कार्य के चलते वहा के चौराहे पर लगी कांग्रेस के नेता माधव राव सिंधिया की प्रतिमा के गले में रस्सी बांधकर जेसीबी के सहारे नीचे उतरा गया जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होनें लगा और इसकी कड़ी निंदा होनें लगी। कांग्रेस युवा नेता दिव्यांशु अंशु मिश्रा ने इस कृत्य को मध्यप्रदेश के विकास में माधव राव सिंधिया के योगदान का अपमान बताते हुए प्रशासन से मांग की है कि वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्वर्गीय माधवराव सिंधिया जी को जिस शिद्दत से मान-सम्मान प्रतिष्ठा पूर्ण तरीके से स्थापित किया गया जाए.दिव्यांशु अंशु मिश्रा ने अपने ट्विटर के × होल्डर पर लिखा है कि वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्वर्गीय माधवराव सिंधिया जी को जिस शिद्दत से मान-सम्मान प्रतिष्ठा पूर्ण तरीके से स्थापित किया गया था,आज उतनें ही अपमानपूर्ण तरीके से प्रतिमा के गले में रस्सी बांधकर उन्हें हटाया गया।। जो की दुर्भाग्यपूर्ण है। हम मांग करते है सह सम्मान उनकी प्रतिमा वापस से स्थापित की जाए।

# गुरूद्वारा श्री गुरु नानक सभा में प्रथम पातशाह साहिब गुरू नानक देव जी महाराज का प्रकाश पर्व श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया

देवबंद (सहारनपुर), गुरूद्वारा श्री गुरु नानक सभा में प्रथम पातशाह साहिब श्री गुरू नानक देव जी महाराज का प्रकाश पर्व श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया। रागी जत्थों ने गुरबाणी गायन कर संगत को निहाल किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए गुरूद्वारा कमेटी के प्रधान सेठ कुलदीप कुमार ने कहा कि गुरूनानक देव जी ने कलयुग में अवतार लेकर वहमों, भ्रमों में पड़ी मानव जाति को परमात्मा से जोड़कर शांति व सम्मान से जीवन जीने का मार्ग दिखाया। उन्होंने सिख धर्म की स्थापना करके एवं देश, दुनिया में घूमकर लोगों को मानस की जात सबै एके पहचानबो का संदेश दिया। सचिव गुरजोत सिंह सेठी ने संगत को प्रकाश पर्व की बधाई देते हुए सभी का आभार जताया। इससे पूर्व बुधवार से चल रहे श्री अखंड पाठ साहिब की समाप्ति के बाद कीर्तन दरबार सजाया गया। जिसमें भाई गुरदयाल सिंह, अमनदीप सिंह, धर्म सिंह व दशमेश कीर्तनी जत्थे ने गुरबाणी गायन कर संगत को निहाल किया। निशान साहिब के चोले की सेवा भी की गई। श्री अखंड पाठ साहिब की सेवा करने वाले अरविंदर सिंह कपूर को सिरोपा देकर सम्मानित किया गया। कीर्तन उपरांत गुरू का अटूट लंगर बरताया गया। इस दौरान पुष्कर मिश्र, सचिन छाबड़ा, चंद्रदीप सिंह, श्याम लाल भारती, शोभा सिंह मनचंदा, गुरविंदर सिंह छाबड़ा, राजेश अजमानी, विजय गिरधर, हैप्पी रतड़ा, मनोज सिंघल, परमजीत सिंह, गुरजंट सिंह, इंद्रजीत सिंह राणा, दलीप मल्होत्रा, राजेश अनेजा, संदीप चड्ढा, लवली सूरी, जसदीप सिंह, अमृत सिंह, हरविंदर सिंह बेदी, राजपाल सिंह, राजीव कक्कड़, लक्की कक्कड़ आदि मौजूद रहे।

# एक युवक की ट्रैक्टर के पहिए के नीचे दबने से हुई दर्दनाक मौत

### युवक की मौत से परिजनों में मचा कोहराम

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ**

सहारनपुर, सहारनपुर में एक युवक की ट्रैक्टर के पहिए के नीचे दबने से दर्दनाक मौत हो गई। युवक की मौत से उसके परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहारनपुर जनपद के रामपुर मनिहारान में गांव सोना अर्जुनपुर अमोली मार्ग पर संदिग्ध परिस्थिति में एक व्यक्ति की ट्रैक्टर के नीचे दबाने से मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस घटना को दुर्घटना मानकर चल रही है। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ मौजूद थी। थाना रामपुर पुलिस को सोना अर्जुनपुर अमोली मार्ग पर एक व्यक्ति के ट्रैक्टर के नीचे दबा होने की सूचना मिली। सूचना पर थाना प्रभारी संजीव कुमार में फोर्स घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों से घटना जानकारी ली। मृतक व्यक्ति की पहचान थाना नानौता क्षेत्र के गांव कल्लरपुर राजपूत निवासी अशोक (35)पुत्र विजयपाल के रूप में हुई ग्रामीणों ने बताया मृतक व्यक्ति ट्रैक्टर-ट्रॉली चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण करता था। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

# जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने शांति समिति सदस्यों एवम् सुरक्षा सखियों से की चर्चा

**कपासन** जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था की जानकारी को लेकर नगर वासियों से चर्चा की एवं उनके सुझाव आमंत्रित किये ।प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर चित्तौड़गढ़ जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने पंचायत समिति के महाराणा प्रताप सभागार में आयोजित शांति समिति की बैठक में नगर के प्रबुद्ध जनों को संबोधित करते हुए नगर वासियों से सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं झूठ संदेशों से सावधान रहने,साइबर क्राइम, साइबर ठगी,डिजिटल अरेस्ट से सावधानी बरतने सहित विभिन्न मुद्दों पर नगर के प्रबुद्ध जनों से चर्चा की एवं सुझाव आमंत्रित किये ।बैठक के प्रारंभ में जिला पुलिस अधीक्षक ने नगर वासियों से परिचय प्राप्त किया। उसके उपरांत क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर नगर वासियों के विचार जाने। शांति समिति के बैठक में नगर के प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने,नगर में बढ़ते अतिक्रमण,सावधान एवं सचेत रहते हुए किसी लोग लालच में नहीं पडकर साइबर क्राइम ठगी से बचने,बिना हेलमेट एवं बिना लाइसेंस बच्चों के दुपहिया वाहन चलाने,विद्यालय समय उपरांत घर में बच्चों के मोबाइल उपयोग को गंभीरता से लेने का अनुरोध किया। शांति समिति की बैठक में पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि आशीष सोनी,युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष विकास बारेगामा,व्यापार मंडल अध्यक्ष कोमल बारेगामा, नगर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष भवानी शंकर लोहार,अंजुमन कमेटी सदर पूर्व पार्षद अशफाक तुरकिया,श्री वर्धमान स्थानक वासी जैन श्रावक संघ अध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिरोया,शंकर बारेगामा,रोलिया सरपंच रतन नाथ योगी,दरगाह कमेटी सदस्य सैयद अख्तर अली सहीत विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारीयो ने अपने सुझाव दिए। शांति समिति की बैठक में पहुंचने पर जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी का समन्वयक परिवार की ओर से नगर पालिका अध्यक्ष मंजू देवी सोनी,नंदकिशोर सोनी एवं आशीष सोनी ने मेवाड़ी परंपरा अनुसार पगड़ी उपरना पहनाकर अभिनंदन किया ।इसी प्रकार मूला माता विकास समिति अध्यक्ष पूर्व पार्षद सत्य नारायण आचार्य,व्यापार मंडल अध्यक्ष कोमल बारेगामा,गौशाला परिवार से रमेश सोमानी,अरुण बाघमार, भूपेश गोठवाल ने भी जिला पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया ।पंचायत समिति सभागार में आयोजित शांति समिति की बैठक में पुलिस उप अधीक्षक हरजी राम यादव,सर्किल इंस्पेक्टर रतन सिंह,भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष पंकज सिरोया, नगर पालिका पार्षद अशोक विजयवर्गीय,महबूब शाह,नरेश खटीक,सुनीता शर्मा,धमाना सरपंच विष्णु खेड़ा,रूपा खेड़ी सरपंच लक्ष्मण कीर, पूर्व पार्षद सोहन लाल खटीक,प्रकाश सोनी पार्षद प्रतिनिधि ललित टाक एवं शंभू लाल बागड़ा,पूर्व पार्षद सुनीता सावला,महिला नगर कांग्रेस अध्यक्ष सुमन कुमावत, राकेश कुमारी राव,गौरव दाधीच, अखिलेश तिवारी,रतन लाल शर्मा,लक्ष्मी लाल आचार्य,दिलीप बारेगामा,छोटू वैष्णव सहित मीडिया कर्मी मौजूद रहे ।इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक ने निर्माणाधीन पुलिस थाने का अवलोकन किया ।वहां जिला पुलिस अधीक्षक को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया ।बैठक में नगर वासियों ने जिला पुलिस अधीक्षक को नगर के मध्य पुलिस चौकी की जीवन शरण अवस्था से अवगत कराया एवं नए निर्माण का अनुरोध किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक ने समस्त नगर वासियों से अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने,नाबालिक बच्चों के वाहन चलाने पर माता-पिता के विरुद्ध कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिए ।अतिक्रमण के मुद्दे पर नगर पालिका एवं उपखंड प्रशासन के सहयोग से संयुक्त कार्यवाही की जाएगी

# मेनारिया नागदा ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय चुनाव का तीसरा चरण संपन्न

## चुनाव का अंतिम चरण 17 नवंबर को

शंभूपुरा।देश भर में हो रहे अखिल भारतीय मेनारिया नागदा ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय चुनाव में तीसरा चरण संपन्न हुआ है। वल्लभनगर जोन में कल तीसरा चरण संपन्न हुआ है। कल के हुए मतदान में जिस प्रकार से सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक का जो रुझान नजर आया है उसमें साफ-साफ देखा जा रहा है कि जसराज मेहता के पैनल को समाज के लोग पूरा समर्थन दे रहे हैं। आज शनिवार को जसराज मेहता ओर उनके पैनल ने सुहानिया, महूडा, निकुंभ, प्रतापगढ़ आदि जगहों पर डोर टू डोर जनसंपर्क किया है। चुनाव का अंतिम चरण 17 नवंबर को चित्तौड़गढ़ प्रतापगढ़ जोन में होगा मतदान का समय सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक रखा गया है। चित्तौड़गढ़ प्रतापगढ़ जॉन के जनसंपर्क पर रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष पद हेतु उम्मीदवार जसराज मेहता राष्ट्रीय महामंत्री पद के उम्मीदवार सत्यनारायण मेनारिया, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पद के उम्मीदवार ओंकार लाल मेनारिया को समाज के लोगों ने पूरा समर्थन दिया है वही समर्थन में जगह-जगह अच्छा रिस्पांस भी देखने को मिला है।

# तराना नगर परिषद ने शहर में सफाई अभियान चलाया, नाले, गलियों नालियों की सफाई की

तराना, स्वच्छभारत अभियान के तहत नगर परिषद ने शहर में सफाई अभियान चलाया। अभियान के तहत वार्ड नंबर 7और 01 में गलियों और नालियों की सफाई की गई। नगर परिषद ष्ढ्ठश कैलाश वर्मा ने भी अभियान में भागीदारी दर्ज कराई। उन्होंने स्वयं सफाई कर दूसरों को घरों के आसपास नियमित रूप से सफाई करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान लोगों की समस्याएं भी सुनी। ष्ढ्ठश ने कहा कि सफाई अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को साफ सफाई के प्रति जागरूक करना है। लोगों की भागीदारी से ही शहर को गंदगी से मुक्त किया जा सकता है। शहर के विभिन्न वार्डों में सफाई कर लोगों को अभियान के साथ जोड़ा जाएगा।

उन्होंने कहा कि सफाई हमारे स्वस्थ्य का आधार स्तंभ है। घरों आसपास नियमित रूप से सफाई करने से बिमारियां नहीं फैलती हैं। लोगों को कचरा सड़क अथवा गली में डालने के स्थान पर डस्टबीन में एकत्रित करना चाहिए। इस दौरान लोगों ने गलियों एवं नालियों की नियमित रूप से सफाई नहीं होने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई। लोगों का कहना है कि नियमित सफाई के अभाव में नालियों में गंदगी बढ़ जाती है। इसका सीधा प्रभाव पानी निकासी पर पड़ता है। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को सभी वार्डों में नियमित रूप से गलियों एवं नालियों की सफाई करने के निर्देश दिए और कहा कि आसपास सफाई रहेगी तो हम सभी स्वस्थ रहेंगे।

## भाजपा सावा मण्डल की बैठक चित्तौडगढ कार्यालय में आज

शंभूपुरा।भारतीय जनता पार्टी चितौड़गढ़ द्वारा रविवार को मण्डल संगठन पर्व कार्यशाला के अन्तर्गत भाजपा ग्रामीण मण्डल सावा की बैठक भाजपा जिला कार्यालय ओछडी पर मण्डल अध्यक्ष सत्यनारायण कुमावत के नेतृत्व मे होगी।बैठक मे मण्डल पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि गण, शक्ति केंद्र संयोजक, प्रभारी, समस्त मोर्चा पदाधिकारी, सभी, प्रकोष्ठ पदाधिकारी गण, पंच, सरपंच, समस्त पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य, समस्त बूथ अध्यक्ष, एवं प्रबुद्ध कार्यकर्ताओ को भाग लेने का आग्रह किया।आयोजित बैठक को सांसद सीपी जोशी, जिलाध्यक्ष मिट्ठूलाल जाट आदि सम्बोधित करेगे।बैठक प्रात:10.30.बजे से आयोजित होगी। यह जानकारी मंडल मीडिया प्रभारी ने दी।

# दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे पर चाय नाश्ता, भोजन, आराम.. सभी सुविधाएं मिलेंगी.. पेट्रोल पम्प शुरुआत की भी तैयारी

गरोठ- अब मध्यप्रदेश से गुजरने वाला दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे सपनों की तरह सफर होगा , इसका कारण यह था कि एक्सप्रेस-वे शुरू हुआ था, लेकिन उसके बीच में रेस्ट हाउस, खाद्य न्यायालय और पेट्रोल स्टेशन की सुविधाएं शुरू नहीं हुई , एक्सप्रेस-वे पर सफर करने वाले यात्रियों को महीने भर के अंदर सभी सुविधाएं मिलने लगेंगी दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे ने मध्यप्रदेश और राजस्थान के कई भागों पर सेवा शुरू कर दी है , अब ट्रैफिक निमथपुर इंटरचेंज से चेचट तक जाना शुरू हो गया है , ऐसे में अब कोटा के पास चेचट से झाबुआ के थांदला तक 269 किलोमीटर का एक्सप्रेस-वे चालू कर दिया जाएगा , इस मार्ग पर सफर करने वाले लोगों को पेट्रोल पंप, रेस्तरां और अन्य सुविधाओं के लिए बहुत देर नहीं लगेगी सुविधाएं दिसंबर से उपलब्ध होंगी दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों की सुविधा के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है और सब कुछ तैयारी के मुताबिक रहा तो यात्रियों को दिसंबर तक सभी सुविधाएं मिलने लगेंगी , रतलाम में गरोठ और जावरा में खाद्य कोर्ट शुरू हो चुके हैं , वहीं दिसंबर तक पेट्रोल स्टेशन भी शुरू होंगे , दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे गुजरात से मध्य प्रदेश के मेघनगर से गुजरते हुए अनास नदी के पास राज्य में प्रवेश करेगा , जो थांदला, सैलाना, खेजड़िया, शामगढ़ और गरोठ से होकर राजस्थान में आ जाएगा , 8 इंटर सेक्शन इस एक्सप्रेस-वे को राज्य की सड़कों से जोड़ते हैं

# सरस्वती शिशु मंदिर मे आयोजित हुआ शिशु रंजन कार्यक्रम शिशु वाटिका की 12 शैक्षणिक व्यवस्थाओ की प्रदर्शनी आयोजित हुआ मातृ सम्मेलन

पिपलियामंडी - नगर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मे शिशु रंजन कार्यक्रम शिशु वाटिका की 12 व्यवस्थाओ की प्रदर्शनी एवं मातृ सम्मेलन आयोजित हुआ! कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे श्री राघवेंद्र जी देरा श्री ( विभाग समन्वयक विद्या भारती मालवा मंदसौर विभाग ) श्रीमती वर्तिका पारीक दीदी (विभाग बौद्धिक प्रमुख राष्ट्र सेविका समिति मंदसौर ), सु श्री इंदु इवने दीदी ( सब इंस्पेक्टर पुलिस थाना पिपलियामंडी ) श्रीमती बंटू भुत दीदी (अध्यक्ष राष्ट्रीय शिक्षण समिति पिपलियामंडी ) मंचासीन हुए! कार्यक्रम की शुरुआत बालाजी पूजन से हुई! अतिथि परिचय प्रधानाचार्य श्रीमती मीना वैष्णव दीदी एवं स्वागत माताओं द्वारा किया गया! इस अवसर पर भैया बहिनों ने रोचक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की! कार्यक्रम मे विशेष अतिथि के रूप मे पधारे अतिथि वर्तिका दीदी ने सभी माताओं को सम्बोधित करते हुए कहा की हमें हर परिस्थिति मे भैया बहिनों को समझना होना तभी उनका विकास होगा! सब इंस्पेक्टर इवने दीदी ने सुरक्षा व्यवस्थाओ के बारे मे माताओं को अवगत करवाया और बच्चों को समझकर कोई शिकायत होने पर पुलिस थाना मे दर्ज करवाने की बात कही! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विभाग समन्वयक जी ने अपने प्रेरणा दायी उदबोधन मे कहा की शिशु मंदिर का आचार्य परिवार भैया बहिनों का निर्माण करता है प्राथमिक शिक्षा बच्चों की शिशु मंदिर मे ही होनी चाहिए! साथ ही पंच परिवर्तन के बारे मे भी आपके द्वारा माताओं को जानकारी दी गई! अध्यक्ष महोदय द्वारा सभी माताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विद्यालय का सहयोग करने की अपील की गई! अंत मे कार्यक्रम का आभार प्राचार्य श्री प्रकाश जी धाकड़ द्वारा माना गया कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की दीदी श्रीमती पिंकी गुर्जर दीदी एवं माया पंवार दीदी ने किया! इसके पश्चात अतिथियों द्वारा 12 शैक्षणिक व्यवस्थाओ की प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया! एवं भैया बहिनों के क्रिया कलाप की सराहना की गई! साथ ही सबसे पहले आने वाली 3 माताओं एवं थाली सजाओ प्रतियोगिता मे स्थान प्राप्त माताओं एवं विभिन्न खेल प्रतियोगिता मे प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त माताओं का सम्मान किया गया!

# सामाजिक सरोकार की अनुकरणीय व प्रेरणादायक पहल 21 कामकाजी युवाओं और 1 महिला सामाजिक कार्यकर्ता ने अपने नेक कमाई से 120 जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितरित की स्वेटर

झज्जर ् अपने लिए तो सब जीते हैं सही मायने मे दूसरे के लिए जीना ही जीवन है यदि जीवन का उद्देश्य दूसरों की भलाई बन जाए तो उससे प्रेरणादायक व नेक काम कुछ नहीं हो सकता है ढ्ढ झज्जर जिला मुख्यालय के अंतिम छोर पर बसे वीरों की देवभूमि कहे जाने वाले गांव धारौली की सामाजिक संस्था मां-मातृभूमि सेवा समिति द्वारा सामाजिक सरोकार की भावना और मानवीय नैतिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गांव अंबोली, जिला झज्जर के 120 जरूरतमंद विद्यार्थियों को आयोजित वस्त्र समर्पण सेवा कार्यक्रम में नि:शुल्क स्वेटर वितरण की गई ढ्ढ प्रसिद्ध समाजसेवी एवं शिक्षाविद् माननीय चेयरमैन सुखबीर जाखड़ ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे पधारे ढ्ढ अपने संबोधन में सुखबीर जाखड़ ने विद्यार्थियों की हर क्षेत्र में सफलता की कामना करते हुए भविष्य में कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित किया। जोगिंद्र यादव, डायरेक्टर, मेडी-जेईई करियर इंस्टीट्यूट, कोसली और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित मंजीत सिंह अम्बोली निवासी, प्रो. श्री हँस बैग हाउस, रेलवे स्टेशन कोसली के पिता श्री बलबीर सिंह ने कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। अपने संबोधन मे जोगिंद्र यादव ने कहा कि ज़रूरतमंदों की मदद करना हमारा कर्तव्य है। माननीय राजेश यादव, प्रिंसिपल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गांव अंबोली, जिला झज्जर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की ढ्ढ प्रिंसिपल ने मां-मातृभूमि सेवा समिति की विद्यार्थियों को नि:शुल्क स्वेटर वितरण करने की अनूठी पहल की भूरी भूरी प्रशंसा की। समाजसेवी व शिक्षक डॉ. महावीर सिंह ने अपने जोशीले शब्दों से कुशलतापूर्वक मंच का संचालन करके वस्त्र समर्पण सेवा कार्यक्रम को यादगार बना दिया ढ्ढ 21 बार रक्तदान कर चुके युद्धवीर सिंह लांबा, अध्यक्ष, मां-मातृभूमि सेवा समिति, वीरों की देवभूमि धारौली ने बताया कि 1.माननीय सुखबीर जाखड़, चेयरमैन, रिलायंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स 2.शिक्षा के साथ साथ सामाजिक सरोकार का दायित्व भी बेखुबी निभा रहे मास्टर हरबीर मल्हान गिरधरपुर निवासी 3.पर्यावरण संरक्षण को समर्पित मंजीत सिंह, अम्बोली निवासी, प्रो. श्री हँस बैग हाउस, रेलवे स्टेशन कोसली 4.युद्धवीर सिंह लांबा,वीरों की देवभूमि धारौली 5.श्री धर्मेंद्र यादव, मेडी-जेईई करियर इंस्टीट्यूट कोसली 6.समाजसेवी सागर यादव, (फिजिकल ट्रेनर ऑफ़ इंडियन नेवी) रेलवे स्टेशन कोसली 7.हरियाणा सरकार में जूनियर इंजीनियर अजय मलिक, खानपुर कलां, सोनीपत 8.ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल, बहादुरगढ़ और नवजीवन हॉस्पिटल, मॉडल टाउन रोहतक के मैनेजर विक्रांत शर्मा 9.धारौली निवासी नवीन लांबा जी सुपुत्र स्व. मांगे राम 10.असिस्टेंट टैक्सेशन ऑफीसर के पद पर कार्यरत, संजीव घणघस, गाँव जताई, जिला भिवानी 11.कोसली रेलवे स्टेशन में नाहड रोड पर %सोनू मोटर वाइंडिंग सेंटर% प्रो. सोनू कुमार धारौली निवासी 12.इंजीनियर अजय जांगड़ा भिवानी सरकारी बैंक में कार्यरत 13. प्रेमसुख कुमार, प्रो., बिट्टू स्कूल ड्रेस, रेलवे स्टेशन कोसली 14.इंजीनियर अमित दांगी, गांव मदीना, रोहतक 15.रक्तदानी नितेश भौरिया, प्रो.अर्बन युवा रेडीमेड स्टोर, कोसली में कपड़ों की मशहूर दुकान 16.झज्जर निवासी श्री नरसिंह, सरकारी बैंक में कार्यरत 17.कोसली गांव के कमला मेडिकल स्टोर के प्रो.विक्रम यादव 18.कृष्ण सिंह, असिस्टेंट रजिस्ट्रार पद पर कार्यरत 19.मास्टर रोहित यादव, कोसली निवासी 20.श्रीमती अनार बाला, सामाजिक कार्यकर्ता कोसली 21.समाजसेवी व शिक्षाविद मास्टर पवन कुमार, गांव धनीरवास झज्जर निवासी 22.असिस्टेंट प्रोफेसर व करियर काउंसलर यशपाल चोपड़ा, बहादुरगढ़ निवासी आदि ने अपनी ईमानदारी व कड़ी मेहनत से कमाया नेक धन से कार्यक्रम के सफल आयोजन मे सहयोग दिया ।

# रतनगढ़ में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण व मोतियाबिंद आपरेशन शिविर सम्पन्न

## 105 मरिजो का नि-शुल्क जांच परिक्षण व दवा वितरण के साथ ही 38 मरिजो को नि-शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु किया चयनित

नयन आई केअर रतनगढ़ के तत्वावधान मे दिनांक 16 नवम्बर शनिवार को रतनगढ़ में विशाल नेत्र परीक्षण जांच व ऑपरेशन शिविर का आयोजन डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन नया बस स्टैंड परिसर रतनगढ़ पर रखा गया।श्री लाभ मुनि नेत्र चिकित्सालय मंदसौर के अनुभवी एवं विख्यात चिकित्सकों के दल द्वारा स्थानीय डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन पर पंजीयन कराने वाले मरीजों की आंखों की जांच परीक्षण किया गया। एवं 38 नेत्र रोगियों का नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए चयन किया गया।सभी चयनित मरीजों को बिना टांके के अत्याधुनिक मशीनों के द्वारा आंखों का ऑपरेशन कर लेंस प्रत्यारौपण किया जाएगा।चयनित नेत्र रोगीयो के नि:शुल्क ऑपरेशन के साथ ही दवाईयां,काला चश्मा एवं मरीज के साथ 1 सहयोगी को शिविर स्थल से ऑपरेशन स्थल डॉ.लाभ मुनि नेत्र चिकित्सालय मंदसौर पर ले जाने एवं लाने की नि:शुल्क बस सुविधा के साथ ही मरीज एवं सहयोगी के ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था भी नि:शुल्क रहेगी।दिनांक 16 नवम्बर शनिवार को प्रात: 10 बजे से शिविर स्थल पर नेत्र रोगियों का पंजीयन प्रारंभ हुआ जो दोपहर 2 बजे तक किया गया। रतनगढ़ व आसपास ग्रामीण क्षेत्रो से बड़ी संख्या में अपने आंखों की जांच करवा कर नेट विशेषज्ञ रवि व्यास, देवी सिंह एवं पूरी टीम द्वारा निशुल्क जांच कर नेत्र शिविर मे ऑपरेशन के लिए चयनित सभी नेत्र रोगियों को बस द्वारा मंदसौर के लिए रवाना किया गया।

# अध्यक्ष नारायण सोमानी उज्जैन महांकाल के दर्शन करके क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि की कामना की, हिंदूवादी नेता सोमानी ने महिला नेत्री स्नेहलता सिंह राजावत की पुत्री मोहिनी की सगाई रस्म में हुए शामिल साथ ही मोहिनी, मानवेंद्रसिंह को दी बधाई

जावद। हिंदूओं का सबसे बडा 5 दिवसीय दीपोत्सव त्यौहार के बाद आने वाला कार्तिक सुदी पुर्णिमा के पावन पर्व पर नीमच जिले में धार्मिक, सामाजिक साथ ही चौथा स्तम्भ पत्रकारिता क्षेत्र में अग्रणी रहने वाले हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी प्रात: 4.30 बजे उज्जैन महांकाल मंदिर पहुंचकर क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि की कामना की। साथ ही नीमच निवासी एवं कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ की जिला अध्यक्ष श्रीमती स्नेहलता सिंह राजावत, धीरेन्द्रपाल सिंह राजावत की पुत्री एवं मनोस्मि राजावत, तिर्थसिंह राजावत की बहन मोहिनी राजावत की संगाई महांकाल की नगरी उज्जैन के पास, देवास रोड स्थित नारायणा स्कूल के पास द ग्रांड मोनार्च होटल परिसर पर ढोल-ढमाको, बैंड-बाजो, शहनाईयों की गुंज पर देवास निवासी वीरेंद्र सिंह पंवार, रेणु पंवार की पुत्र मानवेंद्रसिंह पंवार के साथ सम्पन्न हुई। कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ जिला सचिव एवं प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी सगाई रस्म में पहुंचकर वर-वधु को आशीर्वाद देकर आयोजन में शामिल हुए। उज्जैन के समीप देवास रोड स्थित द ग्रांड मोनार्च परिसर पर मोहिनी संग महेंद्र सिंह की सगाई रस्म में वर-वधु एक दूसरे के बंधन में बंधे साथ ही 26 जनवरी 2025 में शुभ विवाह होगा। इस मौके पर हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी, प्रकाश सिंह बेस, दिलीप सिंह सोलंकी सहित उज्जैन, देवास, नीमच, जावद, इंदौर, रतलाम एवं आसपास क्षेत्र के परिवारजन, रिश्तेदार, महिला, पुरूष, युवाजन मौजूद थे। हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी उज्जैन-देवास रोड स्थित ग्रांड मोनार्च होटल परिसर पर सायंकाल के समय होने वाला महिला संगीत (रिसेप्शन) में भी शामिल होकर मोहिनी संग मानवेंद्र सिंह को केसरिया दुपट्टा ओढाकर स्वागत, सम्मान करके बधाई दी साथ ही परिवारजनो को शुभकामनाए दी।

# परिवहन विभाग द्वारा सघन जांच अभियान जारी शहर के 8 ऑटो रिक्शा किये जब्त

**बुरहानपुर**

बुरहानपुर- कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशानुसार जिले में परिवहन विभाग द्वारा यात्री बसों एवं ऑटो-रिक्शा की जांच अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत आज विभाग द्वारा शहर में संचालित लगभग 75 ऑटो रिक्शा एवं यात्री बसों की जांच की गई। जांच के दौरान अवैध संचालन करने एवं वाहन में परमिट, फिटनेस, बीमा, ड्रायविंग लाइसेंस, प्रदूषण प्रमाण पत्र ना होने की दशा में 8 ऑटो रिक्शा जब्त कर परिवहन कार्यालय, बुरहानपुर में खड़े किये गये है। जिनकी चालानी कार्यवाही की गई है। जिनसे जुर्माना/शमन शुल्क वसूल किया जाना शेष है। परिवहन विभाग के जांच दल द्वारा शहर में सिंधी बस्ती चौराहा, लालबाग रेलवे स्टेशन, कलेक्टर कार्यालय के सामने, जिला चिकित्सालय के सामने, बस स्टैण्ड, जय स्तंभ, कमल टॉकिज चौराहा, शनवारा, गांधी चौक इत्यादि क्षेत्रों में ऑटो रिक्शा एवं अन्य वाहनों की जांच की गई। जांच दल में

परिवहन विभाग के अधिकारी पंकज जैन, सी.एस.बाथम, संतोष कनेश, आरक्षक आर.के. सिंह हनोतिया, अशोक अहिरवार एवं नगर सैनिक चेतन जाधव, अरूण इत्यादि के द्वारा जांच दल में सहयोग किया गया।

## ग्राम डाभियाखेड़ा में निःशुल्क आयुष चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन 215 नागरिकों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

बुरहानपुर- राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना अंतर्गत कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशन में आयुष्मान आरोग्य मंदिर सह आयुष पलासुर द्वारा ग्राम डाभियाखेड़ा में निःशुल्क आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ कविता गढ़वाल ने जानकारी देते हुए बताया कि, शिविर का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि के छायाचित्र पर पूजन अर्चन व दीप प्रज्जवलन कर किया गया।शिविर में आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी पद्धति से ग्रामीणों की चिकित्सा की गई। डॉ शांतिलाल भीलावेकर ने रोगियो का बी. पी. शुगर आदि की भी जाँच की। शिविर में 215 रोगियों को चिकित्सा सेवायें दी गई। इस अवसर पर सहिजन, बिल्व, आंवला,

करन्ज, जामुन इत्यादि पौधों का वितरण भी किया गया। साथ ही आयुष आपके द्वार योजना के अंतर्गत आयुष क्योर एप के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में वातरोग, संधिवात, आमवात, सामान्य ज्वर, श्वास, कास, प्रतिश्याय, चर्मरोग तथा स्त्रीरोगों से सम्बंधित श्वेतप्रदर, कष्टार्तव आदि रोगों की चिकित्सा कर औषधियो का वितरण किया गया। शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं आयुष विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपना सहयोग दिया।

150वी भगवान बिरसा मुंडा की जंयती बाग जयस् संगठन ने आदिवासी समाज ने आदिवासीयत सस्कृति से ढोल-माँदल बजाकर मनाया!बाग जयस् संगठन ने धरती आबा महामानव क्रांतिसूर्य भगवान बिरसा का अनुसरण करते हुए! जल-जंगल-जमीन की लड़ाई लड़ने वाले उद्बोधन के साथ भगवान बिरसा मुंडा के विचारों को बाग जयस् संगठन ने अनुसरण किया और बाग विकासखंड मे भगवान बिरसा मुंडा के गाता-स्थल( बाग-बायपास)बनाने का निर्णय लिया गया!भगवान बिरसा के गाता-स्थल मे पूजा विधि-विधान को गायत्री माता परिवार के पं.धर्मेन्द्र मकवाना के द्वारा भूमि पूजन हिन्दू रीति-रिवाज से करवाया!इस अवसर पर सभी बाग जयस् संगठन के साथियों ने मिलकर गाता-स्थल पर शपथ लेकर आगमी 15 नवंबर तक गाता स्थापित करने की शपथ ली है!तब-तक भगवान बिरसा के गाता-स्थल को नाम बिरसा बयडा रखा गया है!पहली बार नगर भ्रमण ना करते हुए इसके विपरीत ढोल-माँदल को भगवान बिरसा मुंडा बयडे मे पहुंचकर भूमि-पूजन किया गया!उसके बाद सीधे टंट्या भील चौराह पर भगवान टंट्या भील गाता-स्थल मे पहुंचकर ग्रामीण जनों के बीच मिलकर सर्वप्रथम बार अन्नकूट महोत्सव भगवान टंट्या भील गाता-स्थल के प्रांगण मे ढोल-माँदल के साथ आदिवासी समाज की संस्कृति के रीति-रिवाज से पूजा-पाठ करके अंत मे अन्नकूट महोत्सव मनाया गया!इस अवसर पर शामिल भैरूसिंह अनारे,चन्दू रिसावला,गंभीर भंवर,राणा भूरिया,सोहबत काटी,मुकेश पंवार,श्रीराम चौहान,कैलाश चौहान,अनिल-सुमित डावर,महेश डावर,राजेन्द्र भूरिया आदी बाग जयस् संगठन के युवा साथी तथा ग्रामीण जनों ने मिलकर पटाखें फोड़कर और प्रसादी का लाभ लेकर अन्नकूट महोत्सव का भरपूर आनंद लिया!

## खकनार पुलिस व्दारा आर्म्स एक्ट मे फरार चल रहे 5000/- ईनामी आरोपी को किया गिरफ्तार

**ठाणे (महाराष्ट्र) में वर्ष 2024 में 01 प्रकरण**

बुरहानपुर– थाना खकनार जिला बुरहानपुर के अपराध 609/2024 धारा 25(1-क्क) (डु) में आरोपी गुरुचरण पिता छबीलासिंह सिकलीकर निवासी पाचौरी* का घटना दिनांक 07/10/2024 से फरार चल रहा था। आरोपी पर पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर व्दारा 5000/– का ईनाम घोषित किया गया है।पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पाटीदार व्दारा दिये गये निर्देशो के पालन में अति. पुलिस अधीक्षक अंतरसिंह कनेश एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) नेपानगर निर्भयसिंह अलावा के मार्गदर्शन में दिनांक 16/11/2024 को मुखबीर की सूचना प्राप्त हुई की आरोपी गुरुचरण पांगरी फाटे पर खड़ा है सूचना पर निरीक्षक अभिषेक जाधव हमराह फोर्स सउनि हनोतिया, प्रधान आरक्षक शादाब व आरक्षक गोलु खान पांगरी फाटा पहुंचे जहा आरोपी गुरुचरण पिता छबीलासिंह खडा दिखा जो पुलिस को देखते ही भागने लगा जिसे हमराह फोर्स के व्दारा पकडा व अपराध क्र 609/2024 घारा 25(1-क्क) (डु) आर्म्स एक्ट के संबंध मे पुछताछ करते उक्त प्रकरण के आरोपियो को पिस्टल देना बताया। आरोपी व्दारा जुर्म स्वीकार करने पर गिरफ्तार किया गया तथा आरोपी से उक्त अपराध के संबंध में मेमोरेंडम लिया गया जिसमें आरोपी ने अन्य 2 पिस्टल पाचौरी के जंगल से छिपाकर कर रखना बताया। आरोपी को साथ लेकर पाचोरी जंगल से 2 अवैध पिस्टल बरामद किया गया। अपराध क्र 609/2024 धारा 25(1-क्क) (डु) आर्म्स एक्ट में दिनांक 07/10/2024 को नितिन पिता दत्तु वाडकर एवं योगेश पिता अविनाश पिसाल निवासी जिला सतारा (महाराष्ट्र) एवं एक अन्य बाल अपचारी को गिरफ्तार किया गया था। जिनके कब्जे से 03 अवैध हस्त निर्मित पिस्टल जप्त की गई थी जिनके व्दारा उक्त पिस्टल आरोपी गुरूचरण व्दारा देना बताया था।आरोपी गुरुचरण पिता छबीलासिंह सिकलीकर उम्र 24 साल निवासी पाचौरी जप्त समाग्री 02 अवैध देशी पिस्टिल किमती 30000 महत्वपूर्ण भूमिका निरीक्षक अभिषेक जाधव, सउनि अमित हनोतिया, प्रआर 06 शादाब अली, आर 490 गोलुखान, प्रआर 356 मुकेश पाटीदार, आर चालक 301 संदीप कास्डे एवं सायबर सेल आर दुर्गेश पटेल की सराहनीय भूमिका रही।

यूनाइटेड प्रेस ऑर्गेनाईजेशन, सशक्त पत्रकार समिति एवं राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा का संयुक्त आयोजन कल में फील्ड के एक्टिव टॉप ट्वेंटी पत्रकारों को पत्रकार रत्न अलंकरण सम्मान से सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

## पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने और प्रदेशभर में मीडिया सेंटर के लिए पत्रकार मुख्यमंत्री से भेंट करेंगे

**एसडीएम एवं सीएसपी ने पत्रकारों को संबोधित कर पत्रकारिता की बारीकियों पर प्रकाश डाला।**

बुरहानपुर। यूनाइटेड प्रेस ऑर्गेनाईजेशन, सशक्त पत्रकार समिति एवं राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा के संयुक्त तत्वाधान में 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस परमानंद गोविन्दजीवाला ऑडिटोरियम में भव्यता से मनाया गया है। सर्व प्रथम मां सरस्वती एवं माखन दादा के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया, तत्पश्चात् मंचासिन अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। जिसके बाद पत्रकार मनोज अग्रवाल ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह दिन देश में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की उपस्थिति का प्रतीक है। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया भी भारतीय प्रेस की गुणवत्ता की जांच करती है और पत्रकारिता गतिविधियों पर नजर रखती है। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में शामिल हुए एसडीएम पल्लवी पौराणिक ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सबसे बड़ी बात पत्रकारिता को जीवित रखना, क्योंकि यदि पत्रकारिता जीवित है, तो आप और हम जीवित है। उन्होंने कहा कि जितना महत्वपूर्ण है नंबरों के दौड़ में आगे बने रहना, उतना महत्वपूर्ण है पत्रकारिता को जीवित रखना। वहीं मुख्य अतिथि नगर पुलिस अधीक्षक गौरव पाटिल ने भी पत्रकारों को संबोधित किया और कहा कि पुलिस और पत्रकार समाज के अभिन्न अंग हैं, जो कि लोगों को न्याय दिलाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सोशल मीडिया आने से खबरों की सत्यता एक बड़ा चैलेंज हो गया है। हालाकि उन्होंने सोशल मीडिया का प्रभाव होना भी बताया। वहीं यूनाइटेड प्रेस ऑर्गेनाईजेशन के प्रदेश अध्यक्ष रिज़वान अंसारी ने पत्रकारों को संबोधित कर कहा कि इस बार 16 नवंबर 2024 को भारत में 58वां राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पहली बार 1966 में मनाया गया था। इस अवसर पर फील्ड में एक्टिव टॉप ट्वेंटी पत्रकारों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। जिसके बाद सशक्त पत्रकार समिति के प्रदेश अध्यक्ष उमेश जंगाले ने अपने उद्बोधन में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्रकारों के लिए मीडिया सेंटर बनाने की घोषणा की थी, लेकिन वह पूरी नहीं हो पाई, जल्द ही वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलकर प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने और मीडिया सेंटर बनाने को लेकर मांग की जाएंगी। वहीं राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा के प्रदेश महासचिव तफज्जुल हुसैन मुलायमवाला ने कहा कि पत्रकारों के सर्वांगीण विकास एवं उनके उत्थान के लिए कार्य करना ओर शासन से उनकी मांगे मनवाने हेतु सदैव प्रयासरत हैं।कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों का आभार संतोष चौधरी ने माना। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

# कुष्ठ कॉलोनी में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया

रतलाम / भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी एवं समर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में रतलाम शहर में शीतला माता कुष्ठ आश्रम मोती नगर एवं ईश प्रेम बस्ती धोलावड़ रोड में कुष्ठ रोगी एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए निऱ्शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुष्ठ रोगियों के लिए आवश्यक दवाइयां एवं अन्य सामग्री का वितरण किया गया एवं रोगियों की आवश्यक ड्रेसिंग एवं उपचार प्रदान किया गया। कार्यक्रम क्षेत्रीय पार्षद श्री विशाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य और शीतला माता कुष्ठ आश्रम की अध्यक्ष श्रीमती पार्वती चौहान, रेडक्रॉस सोसाइटी के श्री दीपक दुबे, समर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट की श्रीमती संतोष रानी, की उपस्थिति में संपन्न किया गया। शिविर में डॉक्टर नमन खंडेलवाल, डॉ. स्वप्निल मजूमदार, डॉ. प्रदीप विश्वास, डॉ. पार्थ जैन, फिजियोथैरेपिस्ट सुश्री प्रियंका हेराल्ड, श्री दीपक उपाध्याय, श्री दानिश सैयद, रेणु भूरिया, संध्या पाटीदार आदि ने अपनी सेवाएं दी। कार्यक्रम का संचालन कुष्ठ

शाखा प्रभारी श्री शरद शुक्ला एनएमए द्वारा किया गया।

## विधायक कार्यालय पर भगवान बिरसा मुंडा की 150 वी जयंती मनाई

बदनावर! विधायक कार्यालय पर भगवान बिरसा मुंडा की 150 वी जयंती मनाई गई! , इस मौके पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती, शंभूलाल वसुनिया पूर्व सरपंच, आदिवासी विकास परिषद के युवा प्रभाग जिला अध्यक्ष मनोहर मकवाना,एन एस यू आई जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र डावर, निर्मल वर्मा पूर्व पार्षद , दिलीप निनामा जनपद सदस्य बदनावर, रवि ओसारी, सुरेश वसुनिया, आशीष जोशी, विधायक निज सचिव आर पी सिंह आदि ने मिलकर दीप प्रजलन कर भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण किया गया! जानकारी कांग्रेस मीडिया प्रभारी महेश पाटीदार ने दी

## अंकलेश्वर से जा रहे थे अयोध्या , 8 लेन गरोठ में वाहन पलटी खाया..

गरोठ 17 नवंबर रविवार की सुबह-सुबह दिल्ली मुम्बई 8 लेन एक्सप्रेसवे पर गरोठ से निमथूर ( भानपुरा) के बीच रूपरा क़े पास गुजरात क़े अंकलेश्वर से आ रहा टूरिस्ट चारपहिया वाहन ( 502) पलटी खाकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमे 1 महिला की दुर्घटनास्थल पर मौत की जानकारी सामने आई है। दुर्घटना के बाद सभी को गरोठ जिला मन्दसौर अस्पताल लाया गया। मिली जानकारी के अनुसार गुजरात

के भरूच की माँ ट्रेवल्स भरुच की एक चार पहिया वाहन विगत रात्रि में अंकलेश्वर से अयोध्या जाने के लिए रवाना हुआ था, जिसमें 17 लोग सवार थे।

# 21 नवंबर को उज्जैन को मिलेगी बड़ी सौगात

**उज्जैनवासियों की बहुप्रतिक्षित इच्छा होगी पूरी**

**मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव (मेडिसिटी) मेडिकल कॉलेज का भूमि पूजन करेंगे**

उज्जैन। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव आगामी 21 नवंबर को उज्जैन शहर की जनता को एक बड़ी और विशेष सौगात देने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव के द्वारा गुरूवार 21 नवंबर को (मेडिसिटी) मेडिकल कॉलेज का भूमि पूजन किया जाएगा। शीघ्र ही उज्जैनवासियों की बहुप्रतिक्षित इच्छा पूर्ण होगी। गौरतलब है कि काफी समय से उज्जैन में मेडिकल कॉलेज बनाए जाने की मांग की जा रही थी। मेडिकल कॉलेज के बनने के बाद उज्जैन की जनता को विशेष स्वास्थ्य सुविधाएँ प्राप्त होंगी, साथ ही जटिल स्वास्थ्य प्रक्रियाओं के लिए शहर की जनता को बड़े शहरों की ओर नहीं जाना होगा। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने जानकारी दी कि शहर की जनता की काफी समय से की जा रही मांग के दृष्टिगत मुख्यमंत्री ने उज्जैन में मेडिकल कॉलेज के शुभारंभ करने की घोषणा की थी। उसी के परिपेक्ष्य में मुख्यमंत्री के द्वारा आगामी 21 नवंबर को भूमि पूजन किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि यह 600 बेड की आधुनिक बिल्डिंग होगी। इसमें जी+13 मंजिल होंगी तथा सभी अत्याधुनिक उपकरणों से यह लैस होगी। मेडिकल से संबंधित सभी आवश्यक सुविधाएँ यहां पर प्रदान की जाएगी और विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा रोगियों का ईलाज किया जाएगा। मेडिकल कॉलेज के बनने के बाद उज्जैन संभाग के आसपास के जिलों की जनता को इसका लाभ मिलेगा। इसमें टेली मेडिसिन की सुविधा से अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टरों की सुविधा भी मिल सकेगी। इसमें आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ आपात स्थिति में भी विशेष स्वास्थ्य सुविधाएँ 24 घण्टे उपलब्ध रहेंगी। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय का निर्माण जिला चिकित्सालय परिसर और संख्या राजे परिसर में पुराने भवनों को तोड़कर किया जाएगा। महाविद्यालय में 150 सीटों का 9 मंजिला कॉलेज भवन, 605 बिस्तरों का 10 मंजिला चिकित्सालय भवन के साथ संख्या राजे परिसर में बालक एवं बालिका छात्रावास, नर्स छात्रावास और रेसिडेंट डॉक्टर्स के लिए छात्रावास 3,13 मंजिला भवन और 2,10 मंजिला भवन का निर्माण किया जाना है। इसमें कुल 1268 लोग निवास कर सकेंगे। दोनों परिसरों में आवागमन की दृष्टि से आगर रोड़ पर एक फुटओवर ब्रिज भी बनाया जाएगा। गौरतलब है कि परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति 592.33 करोड़ रूपये है और इसका निर्माण आगामी 36 माह में पूर्ण किया जाना है।

## 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने में रुचि नहीं लेने वाले अधिकारी, कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी - सीएमएचओ

रतलाम / रतलाम जिले में 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं । रतलाम जिले में 15 नवंबर तक कुल 5509 लोगों के कार्ड बनाकर प्रदान किया जा चुके हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आनंद चंदेलकर ने बताया कि 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाया जाना प्राथमिकता है । 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को अपना आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए अपना आधार नंबर और समग्र आईडी लेकर नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र, एएनएम अथवा आशा कार्यकर्ता अथवा सीएचओ से संपर्क स्थापित करना चाहिए। इस संबंध में 70 वर्ष से अधिक आयु के जिन लोगों के पूर्व में कार्ड बन चुके हैं, उनके भी कार्ड पुनः पंजीयन की प्रक्रिया करके बनाए जाना है । 29 अक्टूबर 2024 के बाद बनने वाले कार्ड में 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को पात्र मान्य करते हुए उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रतिवर्ष 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच निशुल्क प्राप्त होगा, आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पात्र हितग्राहि शासकीय एवं चिन्हित निजी अस्पतालों में अपना निशुल्क उपचार कर सकेंगे सीएमएचओ ने विभागीय अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए है कि कार्य की कर्मचारीवार दैनिक नियमित समीक्षा की जा रही है। कार्य में प्रगति न लाने वाले अधिकारी कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

## विदेश मंत्री मेलानी जॉली ने दिया अजीब जवाब

# क्या कनाडा खालिस्तानी आतंकी अर्श डल्ला को करेगा भारत प्रत्यर्पित ?

**इंटरनेशनल डेस्कः** कनाडा में गिरफ्तार खालिस्तानी आतंकी अर्श डल्ला के भारत प्रत्यर्पण को लेकर कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जॉली ने बड़ा अजीब और गैर जिम्मेदाराना बयान दिया है। भारत की प्रत्यर्पण मांग पर जब उनसे सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता। अभी इस मामले की जांच जारी है और वह इस पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं कर सकतीं। पत्रकारों से बातचीत में मेलानी जॉली ने कहा, अभी इस मामले की जांच चल रही है। अगर भारतीय अधिकारियों से कोई अनुरोध आता है, तो हम बातचीत करेंगे। हालांकि, इस मामले पर मेरे पास फिलहाल कोई विशेष जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि कनाडा और भारत के बीच विदेश मंत्रालय स्तर पर बातचीत जारी रहेगी।

**कौन है अर्श डल्ला?**

अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला एक कुख्यात खालिस्तानी आतंकी है, जो भारत में हत्या, हत्या के प्रयास, वसूली, और आतंकी हमलों जैसे 50 से अधिक मामलों में वांछित है। मई 2022 में इंटरपोल ने डल्ला के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। 2023 में भारत सरकार ने अर्श डल्ला को आतंकवादी घोषित किया।

कनाडा में 28 अक्टूबर को गोलीबारी से जुड़े एक मामले में उसे गिरफ्तार किया गया।

डल्ला पर आतंकवाद के लिए वित्तीय मदद उपलब्ध कराने के भी गंभीर आरोप हैं। भारतीय एजेंसियों का कहना है कि वह कई आतंकी गतिविधियों का मास्टरमाइंड है और उसके खिलाफ पुख्ता सबूत हैं। अर्श डल्ला का मामला ऐसे समय आया है, जब भारत और कनाडा के संबंध पहले से ही तनावपूर्ण हैं। हाल के महीनों में दोनों देशों ने अपने-अपने राजनयिकों को वापस बुलाया था। कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा हिंदू मंदिरों पर हमले बढ़े हैं, जिसे भारत ने कड़ी आपत्ति के साथ उठाया है। ~ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खालिस्तानी गतिविधियों पर कनाडा की ढिलाई की आलोचना की थी। डल्ला के प्रत्यर्पण पर फिलहाल कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है। भारत ने पहले भी उसके प्रत्यर्पण की मांग की थी, लेकिन अब यह मामला कानूनी और कूटनीतिक प्रक्रियाओं पर निर्भर है।विशेषज्ञों का मानना है कि अगर डल्ला को भारत प्रत्यर्पित किया जाता है, तो यह खालिस्तानी आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी जीत होगी। वहीं, कनाडा सरकार को अपने यहां खालिस्तानी गतिविधियों पर सख्त कदम उठाने का दबाव भी झेलना पड़ रहा है।

### ट्रंप के आते ही बदले चीन के सुर !

# जिनपिंग ने बाइडेन से की आखिरी मुलाकात चेहरे पर साफ दिखी टेंशन

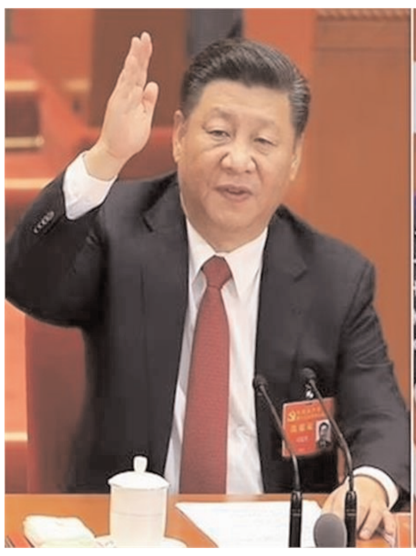

**इंटरनेशनल डेस्कः** अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के साथ ही चीन के सुर भी बदलने लगे हैं। बाइडेन प्रशासन में हेकड़ी दिखा रहे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही नरमी पर उतर आए हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से शनिवार को आखिरी मुलाकात की और कहा कि ''वह अमेरिका के नए प्रशासन के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। इस दौरान उनके चेहरे पर टेंशन साफ दिखाई दी।

एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने मुलाकात की। चिनफिंग ने बैठक के दौरान कहा, ''चीन और अमेरिका के संबंध न केवल दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि यह मानवता और भविष्य के लिए भी अहम हैं। उन्होंने कहा, ''सोच-समझ कर चयन करें। दो प्रमुख देशों के बीच बेहतर संबंध बनाने के लिए सही रास्ता तलाशें। जिनपिंग ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप का नाम लिए बिना चुनाव प्रचार के दौरान आयात के संबंध में दिए गए उनके बयान पर चिंता जाहिर की और कहा कि इससे दोनों देशों के संबंधों पर असर पड़ सकता है।

चीनी राष्ट्रपति ने कहा, '' चीन, अमेरिका के नए प्रशासन के साथ सहयोग बढ़ाने और मतभेदों को दूर कर काम करने के लिए तैयार है जिससे दोनों देशों के लोगों को इसका लाभ मिल सके। जो बाइडेन ने भी अमेरिका-चीन संबंधों पर विस्तार से बातचीत की। बाइडन ने कहा, ''हम हमेशा एक-दूसरे से सहमत नहीं होते, लेकिन हमारी बातचीत हमेशा स्पष्ट रही है। बाइडेन ने कहा, ''हम दोनों के बीच हुई यह बैठक उन सभी गलत अनुमानों पर रोक लगाती है और यह सुनिश्चित करती है कि दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धा संघर्ष में नहीं बदलेगी।

# पाकिस्तान में सेना के कैंप पर बड़ा हमला, 7 की गई जान और 10 घायल

Demo

**कराचीः** पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को एक सुरक्षा चौकी पर हुए जानलेवा हमले में सुरक्षाकर्मियों समेत कम से कम सात लोगों के मारे जाने और 10 अन्य के घायल होने की आशंका है। हमले के विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है।

'जियो न्यूज चैनल की खबर के अनुसार बलूचिस्तान के कलात जिले में हुए हमले में सात लोग मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। हालांकि, न तो प्रांतीय सरकार और न ही किसी वरिष्ठ अधिकारी ने इस बारे में कोई बयान दिया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और संघीय गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने हमले की निंदा करते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। हाल के दिनों में बलूचिस्तान में प्रतिबंधित अलगाववादी समूहों के हमले बढ़ गए हैं। पिछले सप्ताह प्रांत के क्वेटा रेलवे स्टेशन पर एक आत्मघाती हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हुई थी और कई लोग घायल हुए थे।

# चीन में 21 साल के छात्र ने मचाया कोहराम, 8 लोगों को चाकू मार उतारा मौत के घाट

**इंटरनेशनल डेस्कः** पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत में शनिवार को एक व्यावसायिक स्कूल में चाकू से किए गए हमले में आठ लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हमला यिक्सिंग शहर के 'वूशी वोकेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट्स एंड टेक्नोलॉजी% में शाम करीब साढ़े छह बजे हुआ।

सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ% के अनुसार, यिक्सिंग के लोक सुरक्षा ब्यूरो द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, 21 वर्षीय संदिग्ध शू को घटनास्थल पर ही पकड़ लिया गया और उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, शू परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने के कारण स्नातक प्रमाणपत्र न मिलने तथा इंटर्नशिप वेतन से असंतुष्ट होने के कारण अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए स्कूल लौटा था। खबर में कहा गया है कि बचाव कार्य जारी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इस सप्ताह नागरिकों पर हमले की यह दूसरी घटना है। बारह नवंबर को झुहाई शहर के खेल केंद्र में एक व्यक्ति ने अपनी कार से लोगों की भीड़ को कुचल दिया, जिसमें 35 लोग मारे गए और 43 घायल हो गए। मामले में फैन नामक एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया था। पुलिस ने कहा कि उसने तलाक के बाद संपत्ति के बंटवारे से असंतुष्ट होकर ऐसा किया। घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने घायलों के इलाज के लिए हरसंभव प्रयास करने का निर्देश दिया। हाल के महीनों में चीन में कार से कुचलने, नागरिकों पर चाकू से हमले की कई घटनाएं हुई हैं। सुरक्षा अधिकारी अक्सर इन घटनाओं के लिए असंतुष्ट तत्वों को दोषी ठहराते हैं।

# ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों के आवेदन पर लगाई जा रही रोक

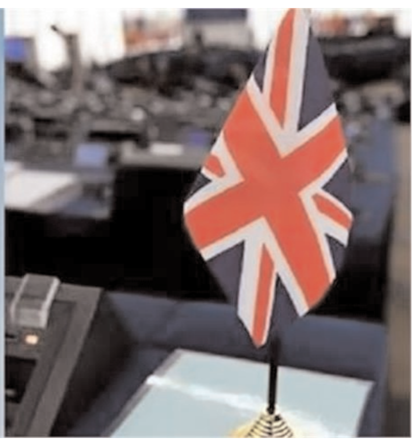

**लंदन**. ब्रिटेन में उच्च शिक्षा क्षेत्र में भारतीय छात्रों के आवेदन में 20.4 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे विश्वविद्यालयों के वित्तीय संकट में और वृद्धि हो सकती है। एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है, जो उस समय जारी की गई है जब ब्रिटेन के विश्वविद्यालय पहले ही अपने सीमित बजट के कारण दबाव में हैं।'ऑफिस फॉर स्टूडेंट्स% द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय छात्रों की संख्या 1,39,914 से घटकर 1,11,329 हो गई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ब्रिटेन में छात्र वीजा आवेदनों में गिरावट आई है, खासकर उन देशों से जहां से बड़े पैमाने पर छात्र ब्रिटेन में अध्ययन के लिए आते हैं।

इस गिरावट का मुख्य कारण भारतीय और नाइजीरियाई छात्रों द्वारा किए गए छात्र वीजा आवेदनों में गिरावट है। भारतीय छात्रों को जारी किए गए CAS की संख्या में 20.4 प्रतिशत (28,585) की गिरावट आई है, जबकि नाइजीरियाई छात्रों के मामले में यह आंकड़ा 44.6 प्रतिशत (25,897) रहा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कुल अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए जारी किए गए प्रायोजक स्वीकृति (ष्टस्) में 11.8 प्रतिशत की गिरावट आई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस गिरावट का सीधा असर उन विश्वविद्यालयों पर पड़ेगा जो भारत, नाइजीरिया और बांग्लादेश जैसे देशों के छात्रों पर निर्भर हैं। ये देश ब्रिटेन में अध्ययन करने वाले सबसे बड़े छात्र समुदायों में शामिल हैं।

ब्रिटेन में भारतीय छात्र समूहों का कहना है कि इस गिरावट के कई कारण हैं, जिनमें सीमित नौकरी की संभावनाएं और कुछ शहरों में आप्रवासन विरोधी दंगों के बाद सुरक्षा संबंधी चिंताएं शामिल हैं। इन चिंताओं के कारण भारतीय छात्रों की संख्या में गिरावट देखी गई है। इंडियन नेशनल स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आईएनएसए) ब्रिटेन ने कहा है कि उन्हें भारतीय छात्रों की संख्या में गिरावट से कोई आश्चर्य नहीं हुआ, खासकर जब सरकार ने विदेशी छात्रों को उनके जीवनसाथियों और परिजनों को ब्रिटेन लाने की अनुमति देने पर रोक लगा दी थी। आईएनएसए ने यह भी कहा कि ब्रिटेन में भारत से छात्रों की संख्या में यह गिरावट छात्रों के लिए बढ़ी हुई कठिनाइयों और अनिश्चितताओं का परिणाम है।

इस गिरावट का असर ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों पर काफी पड़ सकता है, क्योंकि वे भारतीय छात्रों के वित्तीय योगदान पर निर्भर करते हैं।

इसके अलावा, रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है कि अगर यह गिरावट जारी रही, तो ब्रिटेन में उच्च शिक्षा क्षेत्र को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ सकता है। यह रिपोर्ट ब्रिटेन के उच्च शिक्षा क्षेत्र में उभरते हुए संकट का संकेत है, जो पहले से ही वैश्विक महामारी के कारण उत्पन्न वित्तीय संकट से जूझ रहा था।

# अस्पताल में भर्ती मरीज की मौत के बाद गायब हुई आंख, मुकदमा दर्ज

### चिकित्सक बोले- यह चूहों ने किया

**पटना**. बिहार के पटना जिले में नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एनएमसीएच) में एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत के बाद शनिवार सुबह उसकी एक आंख कथित तौर पर गायब पाई गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही अधिकारी ने बताया कि नालंदा जिले के रहने वाले फंटूश कुमार (24) को अपराधियों ने गोली मार दी थी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल लाया गया था। पटना के आलमगंज थाना अध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि व्यक्ति को गोली लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया और परिजनों ने आरोप लगाया कि बीती रात ही किसी ने मरीज की कथित तौर पर आंख को निकाल लिया। उन्होंने बताया कि शव को देखने के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि मृतक की आंख के साथ छेड़छाड़ कर उसे निकाला गया है। थाना अध्यक्ष के मुताबिक, चिकित्सकों ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि यह चूहों ने किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

अधिकारी ने बताया कि कुमार को 14 नवंबर की रात अपराधियों ने गोली मार दी थी, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में एनएमसीएच में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के 36 घंटे बाद कुमार की 15 नवंबर को रात करीब नौ बजे मौत हो गई और मौत के बाद उसकी बायीं आंख गायब थी जबकि अस्पताल में भर्ती किए जाने की समय उसकी दोनों आंखें थी। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि शव की आंख निकाले जाने के बाद उसपर पट्टी बांध दी गई। अस्पताल प्रशासन ने मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय टीम गठित की और बताया कि शव का पोस्टमार्टम किए जाने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569